सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 303 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 17 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

महासमुंद में खाद्य विभाग व पुलिस की दबिश, 200 किलो एनालॉग पनीर जब्त

महासमुंद। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार एनालॉग पनीर के निर्माण एवं विक्रय पर प्रतिबंध के उल्लंघन की आशंका को देखते हुए राजस्व,खाद्य एवं औषधि प्रशासन, पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने महासमुंद के भलेसर रोड स्थित वैद्य फूड में बीती देर रात दबिश दी। एसडीएम अक्षा गुप्ता के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के दौरान लगभग तीन घंटे तक संस्थान की जांच की गई। रात करीब 12 बजे तहसीलदार जुगल किशोर, नायब तहसीलदार हरीश ध्रुव एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन के शंखनाद भोई एवं अधिकारियों की संयुक्त टीम वैद्य फूड पहुंची। जांच के दौरान मध्य रात्रि में पनीर का निर्माण किए जाने की स्थिति सामने आई। मौके पर उपलब्ध पनीर की गुणवत्ता एवं निर्माण में प्रयुक्त सामग्री को लेकर संदेह उत्पन्न होने पर लगभग 200 किलोग्राम पनीर को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान विभाग द्वारा सील किए गए कोल्ड स्टोरेज में रखी खाद्य सामग्री को नियमानुसार खोलकर उसकी जांच की गई। खाद्य सामग्री की पुष्टि एवं गुणवत्ता परीक्षण के लिए पनीर का नमूना लिया गया, जिसे जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है।

बीरभूम में होटल में लगी भीषण आग, सात लोगों की मौत

नईदिल्ली। सावन के सोमवार के दिन बिहार के लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ जैसी स्थिति के बाद बंगाल से भी हादसे की दर्दनाक खबर सामने आई है। बीरभूम के तारापीठ में एक होटल में लगी भीषण आग लग गई। जिसके कारण सात लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के झुलसने की भी खबर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आग सुबह करीब 5 बजे तारापीठ के मंदिर वाले इलाके में स्थित चार मंजिला होटल की पहली मंजिल पर लगी। उस समय होटल में ज्यादातर लोग सो रहे थे। आग की जानकारी मिलते ही दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया।

आय से अधिक संपत्ति मामले में राहुल गांधी को अंतरिम राहत

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में 20 अगस्त को होने वाली अगली सुनवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर शिकायतकर्ता, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) समेत संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने उनके खिलाफ लगाए गए आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच के लिए सीबीआई और ईडी को कानून के तहत उचित कार्रवाई करने की छूट दी थी।

दुर्ग में पुलिस की राडार पर होंगे ऑटो व ई-रिक्शा, क्यूआर से कवर होंगे सभी

दुर्ग जिले में एसएसपी विजय अग्रवाल ने किया ऑटो रजिस्ट्रेशन पोर्टल का शुभारंभ

हर्षित अग्रवाल

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने आम लोगों के लोकरल परिवहन को सुरक्षित करने बड़ी पहल की है। एसएसपी विजय अग्रवाल ने दुर्ग जिले में एक ऐसी सुविधा शुरू की है जिससे शहर में चलने वाले सभी ऑटो व ई-रिक्शा पुलिस की राडार पर रहेंगे। यानी कोई भी ऑटो या ई-रिक्शा वाला सड़क पर यात्रियों से दुर्व्यवहार कर या किसी प्रकार का अपराधिक कृत्य कर भाग नहीं सकेगा। दरअसल दुर्ग पुलिस द्वारा सभी ऑटो व ई-रिक्शा चालकों के लिए क्यूआर कोड जारी किया जा रहा है जिससे उसका सारा डाटा पुलिस के पास रहेगा। रविवार को इस ऑटो व ई-रिक्शा में क्यूआर कोड लगाने की प्रक्रिया के तहत का एसएसपी विजय अग्रवाल रजिस्ट्रेशन पोर्टल का शुभारंभ किया।

अक्सर देखा गया है कि ऑटो व ई-रिक्शा में सफर करते समय यात्रियों को चालक और वाहन की पूरी जानकारी नहीं होती। कई बार ऐसा भी हुआ है कि अनजान जगहों पर ऑटो में किसी यात्री का सामान छूट जाता है तो कई बार ऐसा भी हुआ कि ऑटो चालकों से विवाद भी होता है। दुर्ग जिले में जो क्यूआर कोड वाली व्यवस्था शुरू हो रही है उससे हर ऑटो व ई-रिक्शा पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज रहेगा। किसी घटना की स्थिति में पुलिस क्यूआर कोड के जरिए वाहन का

रजिस्ट्रेशन और चालक से जुड़ी जानकारी आसानी से हासिल कर सकेगी। इससे वाहन की पहचान करने में लगने वाला समय कम होगा और जांच व कार्रवाई में पुलिस को मदद मिलेगी।

शिकायत के लिए ऑटो की सही पहचान जरूरी

ऑटो से जुड़ी कोई शिकायत करनी हो तो ऐसी स्थिति में वाहन की सही पहचान करना जरूरी होता है। क्यूआर कोड के जरिए पंजीकृत ऑटो की जानकारी पुलिस के रिकॉर्ड में उपलब्ध रहेगी, जिससे वाहन और चालक की पहचान आसानी से की जा सकेगी। खासकर महिलाओं के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबत हो सकती है। देर रात या अनजान इलाके में ऑटो लेने पर वाहन की जानकारी पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज होना सुरक्षा के लिहाज से काफी मददगार साबित होगा।

एक सप्ताह में सभी ऑटो के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य

यातायात पुलिस ने जिले के सभी ऑटो और ई-रिक्शा चालकों से रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की है। इसके लिए अगले एक सप्ताह तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद प्रत्येक ऑटो को क्क्र कोड उपलब्ध कराया जाएगा। क्क्र कोड की व्यवस्था शुरू होने के बाद भी यात्रियों को सामान्य सावधानी बरतनी चाहिए। ऑटो में बैठने से पहले वाहन का नंबर नोट कर लें। रात में अकेले सफर करते समय वाहन की जानकारी परिवार या किसी भरोसेमंद व्यक्ति को भेज सकते हैं।

दुर्ग छत्तीसगढ़ का तीसरा जिला

एसएसपी विजय अग्रवाल का कहना है कि दुर्ग जिला ऑटो व ई-रिक्शा को क्यू कोड के माध्यम से डिजिटल रूप से रजिस्टर करने वाला छत्तीसगढ़ का तीसरा जिला बनेगा। क्यूआर कोड के माध्यम से ऑटो एवं चालक से संबंधित आवश्यक जानकारी पुलिस के पास सुरक्षित रहेगी, जिससे किसी भी प्रकार की घटना होने पर पुलिस को त्वरित कार्रवाई एवं पहचान में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया ऑटो चालकों के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ की गई है। सभी ऑटो चालक आवश्यक रूप से अपना रजिस्ट्रेशन कराएं और इस अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने में यातायात पुलिस का सहयोग करें। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा आगामी 01 सप्ताह के भीतर जिले के सभी ऑटो एवं ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन पूर्ण कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा।

एलपीजी संकट के बीच राहत लांच हुआ पारदर्शी सिलेंडर

■ पारदर्शी होने से आसानी से दिखेगा कि सिलेंडर में कितना गैस बचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मिडिल ईस्ट में तनाव और युद्ध के कारण एलपीजी सप्लाई पर असर पड़ा है। ऐसे में राहत भरी खबर आई है। विभिन्न राज्यों के साथ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 10 किलोग्राम का नया कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर लॉन्च किया गया है। यह सिलेंडर पारंपरिक लोहे के सिलेंडर के मुकाबले काफी हल्का है, क्योंकि इसे फाइबर कंपोजिट सामग्री से बनाया गया है।

इस सिलेंडर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह पारदर्शी है, जिससे उपभोक्ता बाहर से ही देख सकेंगे कि सिलेंडर में कितनी गैस बची है। रायपुर में 10 किलो वाला कंपोजिट एलपीजी सिलेंडर (फाइबर बॉडी) लेने के लिए नए सिक्योरिटी डिपॉजिट लगभग 3,000 रुपए है। इसके रिफिल (गैस) की कीमत 715 से 730 के बीच है। पेट्रोलियम कंपनियों जैसे इंडेन और बीपीसीएल ने इस हल्के और पारदर्शी स्मार्ट सिलेंडर की शुरुआत सबसे पहले रायपुर शहर से की है।

इधर, केंद्र सरकार ने पहली बार देश की सरकारी और प्राइवेट रिफाइनरीज व अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन के अधिकतम टारगेट तय कर दिए हैं।

कैसे ले सकते हैं सिलेंडर ?

आपको कनेक्शन लेना होगा, जिसे कंपनी की तरफ से फ्री-ट्रेड एलपीजी कैटेगरी में पेश किया गया है। इसे सरल ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया के तहत तुरंत गैस कनेक्शन ले सकते हैं। कंपनी का कहना है कि बुक करने के लगभग 4 घंटे के भीतर सिलिंडर की डिलीवरी हो जाएगी।इस सिलेंडर में 10 किलो गैस होगी और जंग नहीं लगेगी। ये 10 किलो वाला गैस सिलेंडर फाइबर कंपोजिट तकनीक से बना है और ये हल्का एलपीजी सिलेंडर है।

दिल्ली में दर्दनाक हादसा : चार्जिंग के दौरान ई-रिक्शा की बैटरी फटी, इमारत में लगी आग, दो की मौत

नईदिल्ली। रघुबीर नगर इलाके में सोमवार सुबह एक इमारत की पहली मंजिल पर चार्जिंग के दौरान ई-रिक्शा की बैटरी फटने से आग लग गई। हादसे में दो लोग झुलस गए। दोनों को उपचार के लिए रघुबीर नगर स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इनकी पहचान 17 साल के सुफैद और 38 साल के मोहम्मद सामिद के रूप में हुई है।

दमकल विभाग के मुताबिक सोमवार तड़के करीब 4.42 बजे दमकल विभाग को रघुवीर नगर के आर ब्लॉक में स्थित एक मकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि जिस इमारत में आग लगी वह

चार मंजिला है। इमारत की पहली मंजिल पर ई-रिक्शा की बैटरी फटने के बाद घरेलू सामान में आग लगी थी। आग की चपेट में आने से दो लोग झुलस गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। दमकल कर्मियों ने 5.25 बजे आग पर काबू पा लिया। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

करंट की अफवाह के बाद मंदिर में भगदड़, 7 की मौत

लखीसराय ए.। बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में सोमवार की सुबह करंट फैलने की अफवाह के बाद भगदड़ मच गई। भगदड़ में 7 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं इस हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। सावन सोमवार होने के कारण मंदिर में काफी भीड़ थी और इस दौरान एक पोल गिर गया और उससे करंट फैलने की अफवाह उड़ गई। हादसे को लेकर सीएम सम्राट चौधरी ने दुख जताया और मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है।

मिली जानकारी के अनुसार सावन के तीसरे सोमवार को लखीसराय स्थित अशोक धाम मंदिर में काफी भीड़ उमड़ी थी। लखीसराय डीएम शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पुरुषों की लाइन की तरफएक खंभा गिर गया। इसके बाद

अफवाह फैली कि लोगों पर बिजली की चालू लाइन का तार गिर गया, जबकि वह सिर्फ एक केबल वायर (डिश/इंटरनेट का तार) था। पुरुषों की तरफसे भीड़ का दबाव महिलाओं की लाइन पर पड़ा, जिससे वे एक-दूसरे पर गिर गईं। इसके कारण 7 महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों में लखीसराय की मधुबाला देवी, मनमाला देवी, हेमलता देवी और मुंगेर की रिंकू देवी तथा तीन अन्य शामिल हैं। हादसे में घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

बिहार के लखीसराय स्थित प्रसिद्ध अशोकधाम मंदिर में हुए दर्दनाक हादसे में श्रद्धालुओं की मौत पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और पीड़ित परिवारों को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री ने हादसे में घायल लोगों के समुचित और त्वरित इलाज के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है।

दातासिंह वाला बॉर्डर सील, चार लेयर सुरक्षा में रोका किसानों का जत्था

मांगों को लेकर किसानों का प्रदर्शन

नईदिल्ली। पंजाब के किसानों के दिल्ली कूच के एलान को देखते हुए जींद प्रशासन ने दातासिंह वाला (खनौरी) बॉर्डर पर रविवार को चार लेयर सुरक्षा व्यवस्था कर बॉर्डर सील कर दिया। पंजाब की ओर से दिल्ली जाने के लिए पहुंचे 51 किसानों के जत्थे को हरियाणा में प्रवेश नहीं करने दिया गया।

डीसी और एसपी के साथ किसान नेताओं की करीब डेढ़ घंटे में दो दौर की वार्ता भी बेनतीजा रही। किसान केंद्रीय कृषि मंत्री से बातचीत और प्रस्तावित ट्रेड डील रद्द करने की मांग पर अड़े हैं। उन्होंने 29 अगस्त तक बॉर्डर पर पड़ाव जारी रखने का एलान किया है।

दोपहर बाद पंजाब की ओर से किसानों का जत्था हरियाणा की तरफबढ़ा तो प्रशासन ने किसान नेताओं के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया। प्रतिनिधिमंडल में किसान नेता काका सिंह कोटड़ा, बलदेव सिंह सरसा, इंद्रजीत पन्नीवाल, सुखदेव भोजराज और अमनजीत सिंह अरोड़ा शामिल रहे। जींद की डीसी डॉ. वैशाली शर्मा और एसपी कुलदीप सिंह ने किसानों की संख्या कम करने और मुख्यमंत्री से बातचीत कराने का प्रस्ताव रखा। किसान नेताओं ने इसे खारिज करते हुए कहा कि उनका मुद्दा ट्रेड डील से जुड़ा है, इसलिए केंद्रीय कृषि मंत्री से वार्ता होनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ की बेटी अर्चना के 'ईको ब्रिक बैंक' का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

■ प्लास्टिक कचरे का उपयोग कर किया नवाचार, प्रदेश के लिए बनी प्रेरणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। प्लास्टिक कचरे को समस्या के बजाय संसाधन के रूप में देखने वाली रायगढ़ जिले की छात्रा अर्चना एक्का ने अपने नवाचार से प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पीएम श्री सेजेस धरमजयगढ़ की कक्षा 11वीं की छात्रा अर्चना के नवाचार 'ईको ब्रिक बैंक रू प्लास्टिक कचरे को उपयोगी उत्पादों में बदलना' का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि उनकी रचनात्मक सोच, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और स्थानीय समस्याओं के व्यावहारिक समाधान तलाशने की क्षमता को दर्शाती है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अर्चना ने दुर्ग स्थित छत्रपति शिवाजी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईटी) में आयोजित राज्य स्तरीय मार्गदर्शन सत्र में रायगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के समक्ष अपने नवाचार का प्रतिरूप प्रस्तुत किया। विशेषज्ञों

से प्राप्त सुझावों के आधार पर परियोजना में आवश्यक सुधार किए गए। पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी वास्तविक समस्या के समाधान और परियोजना की उपयोगिता को देखते हुए 'ईको ब्रिक बैंक' का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए किया गया।

प्लास्टिक कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने की पहल

अर्चना की परियोजना का उद्देश्य अनुपयोगी समझकर फेंके जाने वाले प्लास्टिक को एकत्रित कर उसका पुन: उपयोग करना और उससे टिकाऊ एवं उपयोगी उत्पाद तैयार करना है। परियोजना में प्लास्टिक कचरे से फर्नीचर सहित विभिन्न उपयोगी वस्तुओं के निर्माण की संभावनाओं पर काम किया गया है। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्लास्टिक कचरे के बेहतर प्रबंधन की दिशा में उपयोगी साबित हो सकती है। 'ईको ब्रिक बैंक' के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण कम करने के साथ ही लोगों को कचरे के पुन: उपयोग, संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार के लिए जागरूक करने का प्रयास किया गया है।

मार्गदर्शन और विद्यालय के सहयोग ने बढ़ाया आत्मविश्वास

अर्चना अपनी सफलता का श्रेय अपनी मार्गदर्शक अनामिका लहरे के निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन को देती हैं। विद्यालय के प्राचार्य हकीम उल्लाह खान और व्याख्याता रवि कुमार यादव ने भी परियोजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। विद्यालय में विद्यार्थियों को नवाचार, प्रयोग और रचनात्मक गतिविधियों के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यालय में तैयार सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण विद्यार्थियों को अपने आसपास की समस्याओं को पहचानने और उनके समाधान के लिए नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसी प्रोत्साहन का परिणाम है कि अर्चना का स्थानीय स्तर पर शुरू किया गया विचार अब राष्ट्रीय मंच तक पहुँचने में सफल हुआ है।

विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बना अर्चना का इनोवेशन

अर्चना एक्का की यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पीएम श्री सेजेस धरमजयगढ़ और रायगढ़ जिले के लिए भी गौरव का विषय है। उनकी परियोजना यह संदेश देती है कि नवाचार के लिए हमेशा बड़े संसाधनों या अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की आवश्यकता नहीं होती। आसपास मौजूद किसी समस्या को संवेदनशीलता और रचनात्मक दृष्टिकोण से देखने पर भी समाधान की नई राह निकाली जा सकती है। प्लास्टिक कचरे में उपयोगिता और संभावना तलाशने वाली अर्चना की सोच अब राज्य की सीमाओं से आगे राष्ट्रीय मंच तक पहुँच गई है। उनकी यह पहल नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है।

संपादकीय

नारी उद्यमिता को संबल

महिला स्टार्टअप को विशेष आर्थिक मदद

हरियाणा सरकार की नई पहल स्वागत योग्य है, जिसके तहत राज्य में महिला स्टार्टअप्स के लिए सात साल तक राज्य जीएसटी राशि फ्री कर दी जाएगी। महत्वपूर्ण यह भी है कि नीति में बदलाव करते हुए सरकार ने कहा है कि महिला उद्यमियों द्वारा 25 लाख रुपये का निवेश करने पर सरकार भी इतना ही योगदान देगी। निश्चित रूप से महिलाएं देश के उद्यमिता क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उनकी एकाग्रता, समर्पण और साफ-सुथरी व्यवस्था की कॉरपोरेट जगत में प्रशंसा की जाती है। नि:संदेह, हरियाणा सरकार की यह पहल नारी सशक्तीकरण की दिशा में एक रचनात्मक कदम है। सही मायनों में सरकार का यह संबल महिला उद्यमियों के लिए उद्योग जगत में नया आकर्षण लेकर आएगा। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 'हरियाणा स्टेट स्टार्टअप पॉलिसी 2022' के सप्लीमेंट को मंजूरी दी गई। वहीं दूसरी ओर, सामान्य स्टार्टअप्स को सात साल तक नेट एसजीएसटी की 50 फीसदी प्रतिपूर्ति मिलती रहेगी। इसके अलावा, महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को एक साल तक लीज रेंट का 50 फीसदी, अधिकतम 10 लाख रुपये तक वापस मिलेगा। इस दिशा में सरकार ने एक रचनात्मक पहल यह की है कि पर्यावरण के अनुरूप ग्राम्य उत्पादों, हस्तशिल्प, आयुर्वेद उत्पादों तथा देशी खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है। इस क्रम में ऐसे स्टार्टअप्स जो हस्तशिल्प, पारंपरिक वस्त्र, पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों, आयुर्वेद-आधारित स्वास्थ्य एवं वेलनेस उत्पादों और देशी खाद्य उत्पादन से जुड़े हैं, उन्हें 50,000 से 1 लाख रुपये तक की माइक्रो-ग्रांट भी दी जाएगी।

“ सही मायनों में सरकार का यह संबल महिला उद्यमियों के लिए उद्योग जगत में नया आकर्षण लेकर आएगा। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 'हरियाणा स्टेट स्टार्टअप पॉलिसी 2022' के सप्लीमेंट को मंजूरी दी गई। वहीं दूसरी ओर, सामान्य स्टार्टअप्स को सात साल तक नेट एसजीएसटी की 50 फीसदी प्रतिपूर्ति मिलती रहेगी। इसके अलावा, महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को एक साल तक लीज रेंट का 50 फीसदी, अधिकतम 10 लाख रुपये तक वापस मिलेगा। इस दिशा में सरकार ने एक रचनात्मक पहल यह की है कि पर्यावरण के अनुरूप ग्राम्य उत्पादों, हस्तशिल्प, आयुर्वेद उत्पादों तथा देशी खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है।

दरसअल, राज्य सरकार ने अनेक प्रोत्साहन कदमों से राज्य में उद्यमिता के अनुकूल माहौल बनाने का भी प्रयास किया है। सरकार ने घोषणा की है कि यदि किसी निजी या एंजल निवेशक से किसी स्टार्टअप को 25 लाख रुपये मिलते हैं, तो सरकार भी 25 लाख रुपये तक की मैचिंग ग्रांट दे सकेगी। निश्चय ही सरकार की यह पहल राज्य में उद्यमिता का विकास करेगी। वहीं दूसरी ओर, सरकार ने भरोसा दिलाया है कि नई तकनीक का लाइसेंस लेने या टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए 10 लाख रुपये तक की सहायता मिलेगी। गुणवत्ता प्रमाणन हासिल करने पर खर्च की 50 फीसदी राशि, अधिकतम 25 लाख रुपये तक एक बार वापस की जाएगी। यहां यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि सरकार द्वारा दी जा रही छूट का दुरुपयोग समाज के चतुर-चालक लोग न करने लगें। जैसे देश में 'प्रधान पति' (महिला प्रधानों के पति) खुलेआम कामकाज संभालते नजर आते हैं, कम से कम उद्यमिता के क्षेत्र में ऐसा नहीं होना चाहिए। अक्सर सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए परिवार की महिलाओं के नाम पर स्टार्टअप शुरू दिखाने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है। महिला सशक्तीकरण तभी संभव है जब महिलाएं खुद आगे आएं और उद्यमिता में कामयाबी के नए मानक स्थापित करें। नि:संदेह, उद्योगों में महिलाओं की यह भागीदारी उस राज्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी, जहां समाज में लिंग-भेद के गहरे आक्षेप रहे हैं।

हर रोज हो 'ना' कहने की आज़ादी

ज्योति मल्होत्रा

हम बदलाव के गवाह बनें, सिर्फ़ एक खास दिन ही नहीं, बल्कि साल के हर दिन। ताकि यदि कोई एक भी महिला अपने ही किसी करीबी के अन्याय-दुर्व्यवहार के खिलाफ आवाज़ उठाए और कहे कि 'ना का मतलब ना होता है', तो उसे पता हो कि आप उसके साथ खड़े हैं।

पिछले कुछ हफ़्तों में, महिलाएं एक बार फिर से राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में हैं, कि उन्हें क्या कहना चाहिए, कितना बोलना चाहिए और कब चुप हो जाना चाहिए। सबसे ऊपर यह कि जब कोई महिला 'न' कहे, चाहे धीरे से या ज़ोर से तो पुरुष रुकते क्यों नहीं?

पितृसत्ता के बारे में सदियों से बहुत कुछ कहा गया है, लेकिन हालिया 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध-प्रदर्शन के दौरान लगे नारे, या कोई एक खबर रही जिसने इस शब्द की जटिलता को बखूबी बयां किया। जो इंस्टाग्राम पर भी खूब छाई रही : एक युवती कह रही थी कि अपनी मां को विरोध-प्रदर्शन में लाने से डरें नहीं कि आंसू गैस का गोला लगने पर वह रो पड़ेंगी; क्योंकि पितृसत्ता ने उनके सारे आंसू पहले ही सुखा दिए हैं। तंजयुक्त छोटे से इस गंभीर वाक्य में, इस महिला प्रदर्शनकारी ने हमें गहन मंथन को बाध्य किया। हम घर-बाहर महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं, मानो उनकी कोई आवाज़ ही न हो और न ही आवाज़ उठाने की क्षमता?

हमने वह वीडियो देखी हैं जिसमें 20 जुलाई को संसद तक हुए सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन में पुलिसकर्मी एक युवती से लाठी से अक्षम्य कृत्य कर रहा था और एक पुरुष आईपीएस अधिकारी एक महिला प्रदर्शनकारी को थप्पड़ मार रहा था। अब तक हमने 'द ट्रिब्यून' समेत कई मीडिया माध्यमों पर उन युवतियों के इंटरव्यू सुने हैं, जिन्होंने बताया कि विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने के बाद उन्हें किस तरह की गालियों और बदसलूकी का सामना करना पड़ा— जिनमें से ज़्यादातर यौन-उत्पीड़न से जुड़ी थीं। हमने सुना है कि कैसे कई महिलाओं की पहचान उनकी मर्ज़ी के बिना सार्वजनिक कर दी गई इसको लेकर हमारी शब्दावली में नया शब्द 'डॉक्सिंग' शब्द शामिल हुआ था; यह शब्द 1990 के दशक की शुरुआत में पश्चिम की हैकर संस्कृति से आया है। इसका शाब्दिक अर्थ है किसी दस्तावेज़ को 'ड्रॉप' करना या साझा करना—और कैसे इन महिलाओं को तंग किया गया और धमकियां दी गईं, क्योंकि आरोपी पुरुष, जो कि पूरी तरह अनजान थे, उन्हें लगा कि इन महिलाओं को उनकी 'औकात' दिखाना ज़रूरी है।

ऐसे समय में 2012 में वीभत्स निर्भया गैंगरेप को याद किए बिना नहीं रहा जा सकता—उसका असली नाम ज्योति था, और अब हम उसका नाम ले सकते हैं क्योंकि वह अब इस दुनिया में नहीं है—तब दिल्ली की सड़कों पर महिलाएं उतरी थीं और विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस के लाठीचार्ज और वॉटर कैनन का सामना किया था। लगभग दस दिन पहले, हमने 2013 के तरुण तेजपाल मामले में पीड़िता की मां के शुक्रगुजार शब्द पढ़े थे—जब बॉम्बे उच्च न्यायलय की गोवा बेंच (जिसमें एक महिला जज शामिल थीं) ने गोवा की निचली अदालत के 2021 के फैसले को पलट दिया था; निचली अदालत का वह फैसला भी एक महिला जज ने ही सुनाया था, जिसमें उन्होंने तरुण तेजपाल को एक लिफ्ट में पीड़िता के साथ रेप के आरोप से बरी कर दिया था। सोचिए तब एक मां पर क्या बीती होगी जब उसकी बेटी की गुहार अनसुनी रह जाती है, जब उसकी बेटी 'न' कहती है, और सामने वाला आदमी उस पर कान धरने से इनकार कर देता है।

यह समझने हेतु किसी को महिलावादी होने की ज़रूरत नहीं है कि गाली-गलौज की शब्दावली ज़्यादातर महिलाओं—खासकर बहनों और माताओं—के अपमान पर ही क्यों टिकी होती हैं, या क्योंकर यौन शोषण, उत्पीड़न, छेड़छाड़ और रेप हिंसा के हथियार हैं। ये बातें तो बहुत पुरानी हैं।

परेशानी की बात यह है कि 21वीं सदी में भी यह नियंत्रण बरकरार है। जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत' बनने और एक क्षेत्रीय ताकत के तौर पर उभरने की ओर बढ़ रहा है, सत्ता में बैठे ताकतवर लोगों द्वारा महिलाओं के शरीर-मन पर नियंत्रण बनाने की ज़रूरत और बलवती होती दिख रही है। बीजेपी के पूर्व सांसद और कुश्ती संघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह को हाल ही में एक निचली अदालत ने कई महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से बरी कर दिया है—बरी होने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की और एनडीटीवी की एक साहसी युवा महिला पत्रकार का मुंह पर मजाक उड़ाया, जो उनसे सख्त सवाल पूछ रही थी।

तभी तो महिलाएं उत्तरोत्तर उस हथियार का सहारा लेने को अग्रसर हैं, जिसके बारे में वे जानती हैं कि वह उन्हें कभी निराश नहीं करेगा। इसीलिए आपको जंतर-मंतर और रांची में हर विरोध प्रदर्शन में सबसे ज्यादा पोस्टर अंबेडकर के दिखाई देते हैं। गांधी, नेहरू या सुभाष चंद्र बोस के भी होते हैं लेकिन उतने नहीं। केवल अंबेडकर ही, एक दलित, जिन्होंने अपनी मुश्किल परिस्थितियों से उबरकर संविधान लिखने का नेतृत्व किया, यह समझते थे कि जाति और धर्म से परे सभी महिलाओं और पुरुषों को समानता और न्याय का अधिकार देना क्यों ज़रूरी है। वे जाति के नाम पर होने वाली हिंसा को समझते थे—याद रखिए कि जाति जीवन भर आपका पीछा करती है और यहां तक कि आपकी मौत के बाद भी आपके बच्चों और आगे की पीढ़ियों में बनी रहती है, और एक महिला अपनी जाति तभी बदल सकती है जब वह किसी दूसरी जाति के पुरुष से शादी करे। अंबेडकर को समझ थी कि आज़ादी का मतलब सिर्फ़ ब्रिटिश राज से आज़ादी और एक नए देश का वादा नहीं था, बल्कि लागू किए जाने वाले अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार भी है; कि संविधान हर नागरिक की पसंद की आज़ादी और उसके दायरे को बनाए रखने के लिए बाध्य है। इसमें 'न' कहने की आज़ादी भी शामिल थी। यही बात लोगों को सबसे ज़्यादा नाराज़ करती है—चाहे वह नियंत्रण बनाने वाले माता-पिता हों, पार्टनर हो या कोई अजनबी— कि सामने वाला व्यक्ति 'न' कहने की इस आज़ादी का इस्तेमाल कर रहा है। उस 'न' का मतलब 'न' ही होता है। जीन-पॉल सार्त्रे ने 1943 में अपनी किताब 'बीइंग एंड नथिंगनेस' में तर्क दिया था कि आज़ादी और ज़िम्मेदारी दोनों का विचार लोगों में अंतर्निहित है। अंबेडकर ने सार्त्रे के शब्दों को कानून का वज़न दिया। संविधान बनाते समय उन्होंने ज़रूर कहा होगा 'आगे बढ़ो महिलाओं, दुनिया बदलो'। संविधान तुम्हारी रक्षा के लिए है।

जंतर-मंतर और रांची में मौजूद महिलाओं और पुरुषों का भी यही अभिप्राय है; वे मौजूदा हालात, सत्ता और ऊंच-नीच के ढांचे को चुनौती देना चाहते हैं। श्रद्धा सिंह, यशस्विनी सिंह, नेहा बोरा। (नेहा के बारे में बात करना दिलचस्प है—एक तरफ वह संविधान में यकीन रखती हैं, तो दूसरी तरफ वह क्रांति की पक्षधर एक वामपंथी पार्टी से जुड़ी हैं।) वह नाबालिग लड़की जिसका नाम नहीं बताया जा सकता; उसके साथ बदले की भावना के साथ बलात्कार, जान से मारने की धमकी और दूसरे तरह के यौन दुर्व्यवहार की इतनी भयावह स्थिति रही कि सहमी मां-बेटी को घर बदलना पड़ा—यह सब उसके बाद हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी ने एक वीडियो में उसके द्वारा अपना और अपनी मां के अपमान किए जाने का ज़िक्र किया था। आप पूछ सकते हैं कि आज की इतनी असमान और हिंसक दुनिया में महिलाओं के पास क्या विकल्प हैं। मेरा सुझाव है कि आप उन सभी महिलाओं का साथ दें जो एक ज़्यादा न्यायपूर्ण समाज बनाने की कोशिश में, हर तरह की रुकावटों और वर्जनाओं को तोड़ रही हैं।

इस बदलाव की गवाह बनें, सिर्फ़ आज़ादी के दिन ही नहीं, बल्कि साल के हर दिन। ताकि यदि इनमें से कोई एक भी महिला अपने ही किसी करीबी कुकर्मी के खिलाफ आवाज़ उठाए और कहे कि 'न का मतलब न होता है', तो उसे पता हो कि आप उसके साथ खड़े हैं।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

इंसान हो या कंपनी, लगातार अडेप्टेशन ही टिकाऊ विकास का जरिया बनता है

एन. रघुरामन

आप में से कितने लोग ऐसे किसी व्यक्ति और कंपनी का नाम बता सकते हैं, जो बाजार के ठहराव से आगे निकलने के लिए अपनी स्किल, स्ट्रैटजी और स्ट्रक्चर में लगातार बदलाव कर रही हों? मेरे पास दोनों श्रेणियों के एक-एक उदाहरण है। दोनों की कहानी यहां पेश है।

जब मैंने इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री कवर करना शुरू किया तो देखा कि दस साल के शोध में हिताची, पैनासोनिक, तोशिबा, फुजित्सु, सान्यो और सोनी- ये छह कंपनियां बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही थीं। पहली पांच कंपनियों को तो घाटा हो रहा था, जबकि सोनी ने अपने टर्नओवर पर महज 1.4% मुनाफा कमाया।

लेकिन मैंने देखा कि वीडियो गेम बनाने वाली सातवीं कंपनी निनटेंडो, जिसका आकार सोनी का 1/9 था, टर्नओवर पर 15.3% मार्जिन कमा रही थी। इसी समय जाकर सोनी को महसूस हुआ कि उसे यथाशीघ्र इलेक्ट्रॉनिक्स से एंटरटेनमेंट क्षेत्र में जाना होगा।

मार्च 2026 में जब सोनी ने कहा कि वह अपने टेलीविजन बिजनेस को एक चीनी प्रतिद्वंद्वी कंपनी के साथ नए जॉइंट वेंचर को सौंप रही है तो जापान में कई लोगों ने उन पुराने दिनों की कसक महसूस की, जब देश की कंज्यूमर-इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री बेहद समृद्ध थी। लेकिन सोनी के सीईओ हिरोकी टोटोकि भावनाओं में बहने वाले व्यक्ति नहीं हैं।

उनके नेतृत्व में आज दुनिया की सबसे जानी-मानी इलेक्ट्रॉनिक्स फर्म एंटरटेनमेंट क्षेत्र में आगे बढ़ रही है, जिसका फोकस म्यूजिक, मूवीज और वीडियो गेम्स पर है। सोनी की 'स्पाइडर-मैन' फिल्मों की नवीनतम कड़ी ने अगस्त के शुरुआती वीकेंड में दुनिया भर में 900 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई की। डिज्नी की 'एवेंजर्स: एंडगेम' के बाद यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मूवी लॉन्च है। इससे पहले माइकल जैक्सन की बायोपिक 'माइकल' ने सोनी की म्यूजिक यूनिट का मुनाफा नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया था।

चलिए, अकादमिक रुचि के लिए सोनी के इतिहास पर नजर डालिए। 1946 में बमबारी से तबाह टोक्यो में यह कंपनी रेडियो-रिपेयर शॉप के रूप में शुरू हुई थी। चार साल बाद, 1950 में टेप रिकॉर्डर और रेडियो बनाने लगी। 1979 में इसने वॉकमैन, फिर हैंडीकैप और डिस्कमैन जैसे दूसरे प्रोडक्ट बनाए और सोनी क्वालिटी और कूल होने का पर्याय बन गई।

1989 में जब इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स दूसरे क्षेत्रों में फोकस कर रहे थे तो कंपनी ने लगभग 3.4 अरब डॉलर में कोलंबिया पिक्चर्स को खरीदा, जिसमें उसका कर्ज भी शामिल था। आज सोनी की सालाना कमाई का दो-तिहाई से ज्यादा हिस्सा मोशन पिक्चर्स, म्यूजिक और वीडियो गेम्स से आता है।

अब अनिल कुंबले को लीजिए। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में क्रिकेटर अनिल कुंबले से ऑफ-फील्ड वह मेरी पहली मुलाकात थी। इससे पहले उनसे मुलाकात हमेशा क्रिकेट मैदानों या स्टेडियमों में हुई थीं।

पहली बार हम घास पर साथ चल रहे थे और मैंने देखा कि उनकी आंखें चारों ओर की हरियाली पर टिकी थीं। वो किसी क्रिकेटर की आंखें नहीं थीं, जो बल्लेबाज के फुट-मूवमेंट देख रहा हो, बल्कि ऐसी जिज्ञासु आंखें थीं जो वाइल्डलाइफ पर फोकस कर रही थीं।

उन्होंने इंजीनियर से लेग-स्पिनर बने ऐसे खिलाड़ी के रूप में क्रिकेट में कदम रखा, जिसके पास पारंपरिक तौर पर बहुत ज्यादा टर्न नहीं था। इसके बजाय उन्होंने घातक सटीकता, गति में मामूली बदलाव और रणनीतिक अनुशासन को अपनाया। फिर उन्होंने नेतृत्व की भूमिका अपनाई।

कप्तान और कोच के रूप में उन्होंने अपने जबरदस्त वर्क-एथिक्स के साथ टीम को गाइड किया। बाद में अपने एनालिटिकल दिमाग का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने इंडियन नेशनल टीम और आईपीएल फ्रेंचाइजियों के मेंटर और कोच के रूप में काम किया।

वह स्पेक्टाकॉम टेक्नोलॉजीज के को-फाउंडर बने, जहां उन्होंने अपने एनालिटिकल खेल अनुभव और टेक्नोलॉजी को मिलाकर स्मार्ट बैट सेंसर विकसित किए, जो बैटिंग परफॉर्मेंस को रियल-टाइम में ट्रैक करते हैं। एक वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर के तौर पर उन्होंने अपनी बारीक नजर से प्राकृतिक जगत पर फोकस किया।

स्वतंत्रता दिवस भाषणों के जरिए भारत के बदलाव की यात्रा

पिछले एक दशक में भारत ने कितनी दूरी तय की है, इसे मापने का एक सरल तरीका है: प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के भाषणों को सुनना।

मोदी सरकार के शुरुआती वर्षों में भाषण उन समस्याओं पर केंद्रित होते थे जिन्हें आज हम सामान्य मान सकते हैं: शौचालय, बिजली, गरीबी, सड़कें, बैंक खाते और उर्वरक की कमी। लेकिन जब प्रधानमंत्री ने इन पर बात की, तो उनके लहजे में एक तत्परता थी। चुनौती यह थी कि जो टूटा हुआ है उसे ठीक किया जाए और जो छूट गए हैं उन तक पहुंचा जाए।

वर्षों के दौरान, उनकी शब्दावली में बदलाव आने लगा। बातचीत पहुंच से आकांक्षा की ओर, कमियों को दूर करने से क्षमताओं के निर्माण की ओर, और तात्कालिक समस्याओं को हल करने से ऐसी प्रणालियां बनाने की ओर बढ़ी जो भारत की पहचान को फिर से उन समस्याओं से न बांध सकें।

शायद यही कारण है कि लाल किले से दिए गए उनके संबोधनों की अवधि और उनका दायरा अपने आप में एक अलग पहचान बन गया है।

जिस प्रधानमंत्री का कार्य जीवन अथक परिश्रम के लिए जाना जाता है, उनके द्वारा लाल किले से देश की यात्रा को प्रस्तुत करने में समर्पित समय बहुत कुछ बयां करता है।

ये केवल वार्षिक भाषण नहीं हैं; यदि इन्हें एक साथ पढ़ा जाए, तो ये देश के रूपांतरण के एक चलते-फिरते रिकॉर्ड जैसे प्रतीत होते हैं।

1. शौचालय सेमीकंडक्टर

2014: क्या हम अपनी माताओं और बहनों की गरिमा के लिए शौचालय की व्यवस्था भी नहीं कर सकते?
2026: आज की डिजिटल दुनिया और तकनीक-संचालित युग में, हम चिप के महत्व को समझते हैं। चाहे इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान हो, चिकित्सा उपकरण हों या परिवहन प्रणाली, चिप्स हर जगह अनिवार्य हैं। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां चिप्स के बिना पूरी व्यवस्था ठप हो सकती है।

यही कारण है कि भारत ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपनी सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमता स्थापित करना शुरू कर दिया है।

2. ग्रामीण सड़कें उपग्रह मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग

2016: हमारे देश में ग्रामीण सड़कें एक शाश्वत मुद्दा हैं। प्रत्येक ग्रामीण नागरिक पक्की सड़कों की इच्छा रखता है।
2018: हमारे वैज्ञानिकों ने एक साथ 100 से अधिक उपग्रह प्रक्षेपित किए, जिससे पूरी दुनिया आश्चर्यचकित रह गई।
2024: मैंने देखा है कि चंद्रयान मिशन की सफलता के बाद हमारे स्कूलों और कॉलेजों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि का एक नया माहौल बना है।
2025: हम अंतरिक्ष में अपने दम पर आत्मनिर्भर भारत गगनयान की तैयारी कर रहे हैं। हम अपने दम पर अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।
2026: आज एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी, स्पेस, रोबोटिक्स और डेटा सेंटर का युग है। एक बिल्कुल नया क्षेत्र खुल गया है। उभरती प्रौद्योगिकियां हमें हर पल चुनौती दे रही हैं। इसलिए, हमें अपने देश को केवल दुनिया का बाजार नहीं बनाना है; हमें नवाचार का केंद्र बनना होगा।

3. गरीबी के खिलाफ लड़ाई

2014: यदि भारत के लोग बिना सरकार की ताकत के, बिना हथियारों के और बिना संसाधनों के भी इतने बड़े साम्राज्य को उखाड़ फेंक सकते हैं, तो दोस्तों, आज समय की मांग है कि गरीबी को मिटाया जाए, क्या हम गरीबी पर विजय नहीं पा सकते क्या हम गरीबी को हरा नहीं सकते मेरे 125 करोड़ प्यारे देशवासियो, आइए हम गरीबी मिटाने का, इसके खिलाफ जीतने का संकल्प लें।
2026: विकसित भारत का संकल्प तभी पूरा होगा जब विकास अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। 2014 से पहले केवल 25 करोड़ लोगों के पास सामाजिक सुरक्षा कवच था हमने एक दशक के भीतर 100 करोड़ देशवासियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान किया है।

4. महिलाओं की गरिमा से लेकर महिला-नेतृत्व वाले आरक्षण तक

2014: हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। क्या हमें कभी इस बात का दर्द हुआ है कि हमारी माताओं और बहनों को खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है क्या महिलाओं की गरिमा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी नहीं है गांव की गरीब महिलाएं रात होने का इंतजार करती हैं; जब तक अंधेरा न हो जाए, वे शौच के लिए बाहर नहीं जा सकतीं... क्या हम अपनी माताओं और बहनों की गरिमा के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं कर सकते
2018: मैं गर्व के साथ भारतीय सशस्त्र बलों की शॉर्ट सर्विस कमीशन में महिला अधिकारियों की नियुक्ति के लिए स्थायी कमीशन देने की घोषणा करता हूं।
2026: आइए हम उनकी गरिमा को बनाए रखने के लिए आगे आएं और यह सुनिश्चित करें कि हमारी माताओं और बहनों को जल्द से जल्द विधानसभाओं और लोकसभा में 33त्न प्रतिनिधित्व मिले, ताकि वे भारत की नीतियों को आकार देने में योगदान दे सकें। यह समय की मांग है और मैं एक बार फिर सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं कि आएं और इस कार्य में शामिल हों।

5. किसानों को प्राथमिकता देना

2014: लेकिन, कृपया मुझे बताएं कि हमारे किसान आत्महत्या क्यों करते हैं? किसान साहूकार से कर्ज लेता है, लेकिन कर्ज चुकाने में असमर्थ रहता है। वह अपनी बेटी की शादी के लिए कर्ज लेता है, लेकिन चुका नहीं पाता। उसे जिंदगी भर कष्ट सहने पड़ते हैं। वह आत्महत्या का रास्ता चुनता है। ऐसे किसानों के गरीब परिवारों को कौन बचाएगा?
2018: अर्थशास्त्री, किसान संगठन, किसान और साथ ही राजनीतिक दल यह मांग कर रहे थे कि किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना चाहिए। इस मुद्दे पर सालों तक बहस हुई, फाइलें इधर-उधर घूमती रहीं, लेकिन बात अटकी रही। आखिरकार हमने फैसला लिया। हमने किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना देने का साहसिक निर्णय लिया।
2025: पिछले साल मेरे देश के किसानों ने खाद्यान्न उत्पादन में पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए... 4 लाख करोड़ रुपये के कृषि उत्पादों का निर्यात किया गया है।
2026: हमारे किसानों की पहुंच अब वैश्विक बाजारों तक है। एफटीए के कारण हमें एक बहुत बड़े बाजार तक पहुंच मिल रही है... हमें खेत से निर्यात बाजार की ओर बढ़ना होगा। चाहे हमारा पारंपरिक व्यंजन हो, हमारे मोटे अनाज (श्री अन्न) हों, हमारे मसाले हों, हमारे फल हों या हमारे फूल हों... आज इस एफटीए के कारण हमारे झींगा के निर्यात की संभावना बहुत बढ़ गई है।

6. स्टार्टअप इंडिया

2015: मुझे स्टार्टअप्स को ताकत देनी है और इसलिए, मैं संकल्प लेता हूं कि आने वाले दिनों में स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया होगा।
2016: आने वाले दिनों में हिंदुस्तान का ऐसा कोई जिला, ऐसा कोई ब्लॉक नहीं होना चाहिए जहां स्टार्टअप शुरू न हों। क्या भारत यह सपना नहीं देख सकता कि वह स्टार्टअप की दुनिया में दुनिया में नंबर एक बने? आज हम उस स्थिति में नहीं हैं।
2026: हमने कई रास्ते खोले हैं; हमने स्टार्टअप सेक्टर खोला है। आपने देखा होगा कि औसतन 28 वर्ष की आयु के युवाओं के नेतृत्व वाले भारत के निजी स्टार्टअप्स ने अपने उपग्रह और रॉकेट लॉन्च किए, जो अपने पहले ही प्रयास में सफल रहे। उन्होंने वास्तव में कुछ उल्लेखनीय हासिल किया है।

7. विनिर्माण/प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता

2014: इलेक्ट्रिकल से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक, 'आइए, मेक इन इंडिया', ऑटोमोबाइल से लेकर कृषि मूल्य संवर्धन तक 'आइए, मेक इन इंडिया', कागज हो या प्लास्टिक, 'आइए, मेक इन इंडिया', उपग्रह हो या पनडुब्बी 'आइए, मेक इन इंडिया'।
2025: इसी साल के अंत तक, भारत के लोगों द्वारा भारत में निर्मित 'मेड इन इंडिया' चिप बाजार में उपलब्ध होगी। ऑपरेटिंग सिस्टम से लेकर साइबर सुरक्षा तक, दीप टेक से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, सब कुछ हमारा अपना होना चाहिए, जिस पर हमारे अपने लोगों की क्षमता केंद्रित हो, हमें दुनिया के सामने उनकी क्षमताओं की ताकत को पेश करना चाहिए।
2026: हमें विनिर्माण क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाना चाहिए; उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ, हमें छोटे घटकों से लेकर बड़े पैमाने के उत्पादों तक सब कुछ बनाने की आवश्यकता है। पूरी वैल्यू चेन हमारी होनी चाहिए और हमें इसके साथ आगे बढ़ना चाहिए, हमें घटकों के साथ-साथ पूर्ण विनिर्माण की आवश्यकता है, हमें पूर्ण उत्पाद भी चाहिए। डिजाइन से लेकर विनिर्माण तक, भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में उभरना होगा।

8. गांव का विद्युतीकरण परमाणु ऊर्जा का विस्तार

2015: इन 18,500 गांवों में बिजली के खंभे, बिजली के तार और बिजली पहुंचाने का लक्ष्य अगले 1000 दिनों के भीतर हासिल कर लिया जाएगा।
2026: ऊर्जा सुरक्षा समय की मांग है, और इसलिए, हमने इस दिशा में पहले ही कई कड़े कदम उठाए हैं। ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक बड़ा माध्यम परमाणु ऊर्जा है। संसद में शांति अधिनियम पारित करके, हमने एक नए लक्ष्य की राह प्रशस्त की है। 2047 तक, हम 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा के लक्ष्य की ओर काम कर रहे हैं। इसी दशक के भीतर, हमने पांच नए परमाणु रिएक्टर शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

9. इंटरनेट कनेक्टिविटी

2015: आप कल्पना कर सकते हैं कि गांवों के बच्चों को कितनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, यदि भारत के सभी गांव ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी से जुड़ जाएं और यदि हम गांवों के हर दूर-दराज के कोने के स्कूलों में दूरस्थ शिक्षा देने में सक्षम हों।
2024: हमने वे दिन भी देखे हैं जब हमें 2त्न के लिए भी संघर्ष करना पड़ता था। हम 6त्न के लिए पहले से ही मिशन मोड में काम कर रहे हैं और हम अपनी प्रगति से दुनिया को चौंका देंगे।
2026: इंटरनेट उपयोगकर्ताओं और उपभोक्ताओं की संख्या लगभग चार गुना बढ़ गई है। दिए गए पेटेंट की संख्या में चार गुना वृद्धि हुई है। डिजिटल लेनदेन में 100 गुना वृद्धि हुई है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि 'मेड-इन-इंडिया' 6त्न दुनिया के हर कोने तक पहुंचे। हमें इस दिशा में अपने प्रयासों को गति देनी चाहिए, और इस प्रयास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कम नहीं होनी चाहिए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष बने अरविंदर खुराना

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ की विशेष आम सभा और कार्यकारी समिति का चुनाव रविवार को वेन्यू इंडियन कॉफी हाउस, सिविक सेंटर भिलाई में हुआ। चुनाव में सर्वसम्मति से अरविंदर खुराना को छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। सचिव राजेश जंघेल चुने गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल रहे। चुनाव प्रक्रिया में पर्यवेक्षक के रूप में शशि बघेल, शैलेंद्र जोशी, बुधराम सारंग, मनोज मित्रा एवं अजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से अन्य पदाधिकारियों का भी चयन किया गया। उपाध्यक्ष घनश्याम जंघेल एवं अनिता सिंदे, सचिव डॉ. राजेश जंघेल, सह सचिव अशोक कुमार साहू एवं माधुरी साहू को नई कार्यकारिणी में जिम्मेदारी सौंपी गई। अध्यक्ष अरविंदर खुराना ने सांसद विजय बघेल का धन्यवाद किया की उन्हें ये विश्वास जता कर ये जिम्मेदारी उन्होंने सौंपी।

जिले में अब तक 561.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 16 अगस्त 2026 तक 561.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू–अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 683.1 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 417.4 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 630.1 मिमी, तहसील बोरी में 576.1 मिमी, तहसील भिलाई–3 में 603.9 मिमी और तहसील अहिवारा में 458.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 16 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 5.4 मिमी, तहसील धमधा में 23.3 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 3.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 8.5 मिमी और तहसील अहिवारा में 8.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

आचार्य महेश ने फील परमार्थम् में मनाया जन्मदिन

भिलाई। साहित्यविद आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा ने फील परमार्थम में अपना 71 वां जन्मदिन मनाया। सहधर्मिणी श्रीमती रजनी गौरी शर्मा भी साथ थीं। डॉ. शर्मा ने उपस्थित प्राय: सौ लोगों को अपने हाथों से सायंकालीन भोजन भी परोसा। साथ ही हनुमान चालीसा और मंगल प्रार्थना गीत–संगीत का भी सबके साथ आनंद लिया। संस्था के प्रबंधक अमित राज और स्टाफ के सहयोग हेतु डॉ. शर्मा ने साधुवाद दिया। वहीं फील परमार्थम् फाउंडेशन ने अन्नदान में सहयोग हेतु आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा को धन्यवाद दिया।

साइबर जागृति अभियान के तहत मॉल में साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति एवं यातायात जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में दुर्ग पुलिस द्वारा साइबर क्राइम मुक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को जनभागीदारी से मजबूत करने के उद्देश्य से आज ट्रेजर आइलैंड मॉल, भिलाई में विशेष जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 1500 से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) कौशलेन्द्र देव पटेल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में साइबर क्राइम प्रभारी डॉ. संकल्प राय द्वारा साइबर सुरक्षा के संबंध में जागरूकता संदेश दिया गया।

आयोजन ग्रेसी म्यूजिक अकादमी के सहयोग से किया गया, जिसमें नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के

माध्यम से साइबर अपराध एवं नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

श्री पटेल ने उपस्थित नागरिकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन का संदेश दिया। उन्होंने वाहन चलाते समय जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार अपनाने तथा स्वयं के साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। नाबालिक को वाहन चालाने ना देने, नो पार्किंग में, वाहन खड़ा ना करने समझाईश दिया गया।

डॉ. संकल्प राय ने साइबर अपराध से बचाव के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। उन्होंने नागरिकों से डिजिटल लेन–देन में सावधानी बरतने, ओटीपी एवं अन्य गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करने तथा संदिग्ध लिंक, कॉल एवं ऑनलाइन गतिविधियों से सतर्क रहने को कहा।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रभारी मंत्री ने किया ध्वजारोहण

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 47 पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग–भिलाई। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दुर्ग पुलिस के 47 अधिकारी–कर्मचारियों को उनके बेहतर काम के लिए सम्मानित किया गया। 15 अगस्त को प्रथम बटालियन, भिलाई में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया।

सम्मानित पुलिसकर्मी अलग–अलग थानों, शाखाओं और पुलिस इकाइयों में तैनात हैं। उन्होंने अपराध की जांच, साइबर अपराध, एनडीपीएस एक्ट, यातायात व्यवस्था, कोर्ट से जुड़े मामलों और लोगों की शिकायतों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सम्मान के लिए ऐसे अधिकारी–कर्मचारियों का चयन किया गया, जिन्होंने अपनी नियमित ड्यूटी के साथ पुलिसिंग के अलग–अलग क्षेत्रों में बेहतर काम किया। इनमें अपराधों की जांच करने, आरोपियों को पकड़ने, चोरी की संपत्ति बरामद करने, साइबर अपराधों की जांच और नशीली दवाओं के खिलाफ कार्रवाई करने वाले पुलिसकर्मी शामिल हैं।

हत्या, चोरी और दूसरे गंभीर अपराधों की जांच में पुलिसकर्मियों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जानकारी और मुखबिरों से मिली सूचना का इस्तेमाल कर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी में अहम भूमिका निभाई। लंबित मामलों की जांच पूरी करने और कोर्ट से जुड़े काम को समय पर आगे बढ़ाने में भी पुलिसकर्मियों ने बेहतर काम किया।

साइबर अपराध से जुड़े मामलों में तकनीकी जानकारी जुटाकर आरोपियों तक पहुंचने और मामलों को सुलझाने में पुलिसकर्मियों ने योगदान दिया। वहीं, एनडीपीएस एक्ट के तहत नशीली दवाओं के अवैध कारोबार के खिलाफ की गई कार्रवाई में भी कई पुलिसकर्मियों ने बेहतर काम किया।

महिला संबंधी शिकायतों के मामलों में महिला थाना के अधिकारियों और कर्मचारियों ने शिकायतों की सुनवाई, काउंसलिंग और कानूनी प्रक्रिया के जरिए मामलों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गंभीर मामलों में जांच पूरी कर आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में कार्रवाई आगे बढ़ाने में भी पुलिसकर्मियों का योगदान रहा।

सम्मान पाने वाले पुलिसकर्मियों में वर्ष 2025 की आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में बेहतर काम करने वाले कर्मचारी भी शामिल हैं। इसके अलावा खेल के क्षेत्र में पुलिस विभाग और जिले का नाम रोशन करने वाले पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया। दुर्ग पुलिस के अनुसार 47 अधिकारी–कर्मचारियों को उनके अलग–अलग काम और उपलब्धियों के आधार पर प्रशस्ति पत्र व शील्ड दी गई।

विभाग का कहना है कि इस तरह का सम्मान पुलिसकर्मियों को बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ ही अपराध नियंत्रण, लोगों की सुरक्षा, शिकायतों के समाधान और तकनीक के इस्तेमाल के क्षेत्र में पुलिस की जिम्मेदारी को और मजबूत करता है।

स्वतंत्रता दिवस पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों को किया सम्मानित

दुर्ग। 80वें स्वतंत्रता दिवस–2026 के अवसर पर सीमा सुरक्षा बल के कर्मियों को वीरता पदक, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए गए। 20 कार्मिकों को उनके शौर्य और पराक्रम के लिए वीरता पदक, 05 को विशिष्ट सेवा के लिए

राष्ट्रपति पदक और 42 को सराहनीय सेवा पदक से सम्मनित किया गया। 94 बटालियन के 20 जवानों को एंटी–नक्सल ऑपरेशन के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाने के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। यह ऑपरेशन छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के बीनागुंडा और कलपर गांवों के इलाके में सीसुब की 94 बटालियन और छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी की टुकड़ियों ने मिलकर चलाया था। इस ऑपरेशन में 29 कट्टर नक्सली मारे गए और भारी मात्रा में हथियार और गोला–बारूद बरामद किया गया।

एबीयूएस ने किया ध्वजा रोहण

भिलाई। अखिल भारतीय उड़िया समाज द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिविक सेंटर चौक सेक्टर 6 में ध्वजा रोहण किया। इस दौरान आने जाने वालो बके लिए पोहा और चाय का भी वितरण समाज को और से किया गया। महासचिव तरुण निहाल ने बताया कि ध्वजा रोहण कर राष्ट्रगीत गाकर सभी ने देश की आजादी के लिए शहीद हुए वीर जवानों को याद किया। भारतमाता, वंदेमातरम के नारे भी लगाए गए। ध्वजा रोहण में प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी, पुलिस विभाग के अफसर अखिलेश सत्यदेव, कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, पूरण नायक जयंती महानद,मोंटू हरपाल,रामभजन, देवेंद्र हरपाल, उमेश बाग, अजय कुमार लुहा, जगन्नाथ जा, मनोज दुर्गा हुकमी बेहेरा, भैयाराम सोना, महेश तांडी, दिलीप महानंद, राजू सोना, किशोर तांडी, श्याम बाघ, अलंकार विभार समेत अन्य मौजूद थे।

सीसुब ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। 15 अगस्त 2026 को भिलाई स्थित सामरिक मुख्यालय एवं क्षेत्रीय मुख्यालय के जवानों एवं अधिकारियों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ के उप महानिरीक्षक (पीएसओ) गिरधारी लाल मीणा ने सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय रिसाली भिलाई में ध्वजारोहण किया।

श्री मीणा ने अपने संबोधन में कहा कि 15 अगस्त 1947 का दिन हमारे इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जब भारत ने लंबे संघर्ष और बलिदानों के बाद स्वतंत्रता प्राप्त की। उन्होंने अमर शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए कहा कि हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान देना है। सीमा प्रहरी होने के नाते देश की अखंडता, संप्रभुता एवं सुरक्षा हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। महोदय ने सभी कार्मिकों को समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करने, अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वाहन करने तथा एक सशक्त और सुरक्षित भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प दिलाया।

उन्होंने आगे बताया कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2009 में सीमा सुरक्षा बल की तैनाती कांकेर जिले में नक्सल विरोधी अभियानों के लिए की गई थी। वर्तमान में बल की तैनाती कांकेर एवं नारायणपुर जिलों में है। बल के जवानों ने साहस, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ नक्सल विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करते हुए क्षेत्र में सुरक्षा की भावना एवं जनता के बीच बल के प्रति विश्वास को मजबूत किया है। साथ ही, सिविक एक्शन कार्यक्रमों, चिकित्सा शिविरों एवं जागरूकता अभियानों के माध्यम से स्थानीय जनता के साथ विश्वास एवं सहयोग का मजबूत संबंध स्थापित किया गया है। इस वर्ष सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ सीमान्त के 20 कार्मिकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए गैलन्ट्री मेडल प्रदान किया गया है।

अंत में उप महानिरीक्षक महोदय ने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के सर्विसेस जोन में महिला ठेका श्रमिकों हेतु 'नई चेतना' जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के सेवाएँ अंचल में कार्यरत महिला ठेका श्रमिकों को स्वास्थ्य, सुरक्षा, कार्यस्थल पर गरिमा एवं श्रम कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराने के उद्देश्य से 'नई चेतना' कार्यशाला का आयोजन 13 अगस्त 2026 को वेलफेयर बिल्डिंग–14 स्थित टी एंड डी विभाग के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, वैधानिक प्रावधानों तथा औद्योगिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यस्थल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यशाला के दौरान स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक सहायता, यौन उत्पीड़न से बचाव, कार्यस्थल सुरक्षा तथा श्रम कल्याण जैसे विषयों पर व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र के दिनेश कुमार ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के साथ आपात स्थिति में अपनाए जाने वाले आवश्यक उपायों तथा सीपीआर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं उचित प्रतिक्रिया के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर–मिल्स जोन–1) प्रियंका मीणा ने यौन उत्पीड़न की रोकथाम, शिकायत की प्रक्रिया, शिकायत दर्ज कराने की निर्धारित समय–सीमा तथा उपलब्ध शिकायत निवारण तंत्र के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार की अनुचित परिस्थिति की स्थिति में जागरूक होकर उचित माध्यम से शिकायत करने के महत्व पर जोर दिया।

सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन–सेवाएँ) डॉ. उपेन्द्र शर्मा ने महिला ठेका श्रमिकों के कल्याण एवं उपलब्ध सुविधाओं के साथ भविष्य निधि (पीएफ) एवं कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) से संबंधित लाभों की जानकारी दी। उन्होंने श्रमिकों को अपने वैधानिक सामाजिक सुरक्षा लाभों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यक दस्तावेज एवं प्रक्रियाओं की जानकारी रखने के लिए प्रेरित किया।

नगर पालिक निगम दुर्ग में महापौर ने किया ध्वजारोहण, उत्कृष्ट कर्मचारियों का सम्मान

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। आयुक्त मोहेंद्र साहू सहित निगम के अधिकारी–कर्मचारी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि नगर निगम परिवार के अधिकारी–कर्मचारियों में बहुत सहनशीलता है और वे अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों को लेकर गंभीर रहते हैं। उन्होंने कहा कि निगम के अधिकारी–कर्मचारी शहर की मूलभूत सुविधाओं और नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य करते हैं। उनके समर्पण और मेहनत से ही नगर निगम की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती हैं। महापौर एवं आयुक्त ने नगर निगम के उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान भी किया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

शिविरों में ऑन-द-स्पॉट बन रहे आयुष्मान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशों के परिपालन में सुकमा जिले के दूरस्थ जनजातीय गांवों में चलाए जा रहे 'आदि कर्मयोगी अभियान' से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल रही है। जिन छोटी-छोटी सरकारी सेवाओं के लिए पहले ग्रामीणों को ब्लॉक या जिला मुख्यालय का चक्कर लगाना पड़ता था, अब वे सभी सुविधाएं सीधे उनके गांव तक पहुंच रही हैं। कलेक्टर सुकमा अमित कुमार के निर्देशन में सुकमा जिले के सभी 277 आदि सेवा केंद्रों में 13 से 15 अगस्त तक तीन दिवसीय जनसुनवाई एवं सेवा-संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं की सुनवाई कर कई मामलों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड के साथ-साथ आधार कार्ड और वय वंदन कार्ड जैसी अति-आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक सरकारी योजनाओं से छूटे हुए पात्र हितग्राहियों की पहचान कर मौके पर ही उनके दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों का समय और धन दोनों बच रहा है।

मिनीमाता बांगो जलाशय के 3 गेट खुलेः नदी किनारे अलर्ट

कोरबा। जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते मिनीमाता बांगो जलाशय का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलाशय में पानी की लगातार बढ़ती आवक को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने बांगो बांध के तीन गेट खोलकर पानी की निकासी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक जलाशय से करीब 3005 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। लगातार बारिश के कारण बांगो जलाशय में पानी की आवक बढ़ने लगी थी। जलस्तर को नियंत्रित रखने और बांध की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा तीन गेट खोले गए हैं। गेट खुलने के बाद बड़ी मात्रा में पानी नदी की ओर छोड़ा जा रहा है, जिसके चलते आसपास के क्षेत्रों में जलस्तर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। बताया जा रहा है कि बांगो जलाशय से पानी छोड़े जाने के बाद दर्री बांध से भी पानी छोड़े जाने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

एक गमला शहीदों के नाम, पौधे लगाए गए

बिलाईगढ़। शासकीय प्राथमिक विद्यालय बांसउरकुली में स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के 80वें वर्ष की स्मृति में एक गमला शहीदों के नाम कार्यक्रम हुआ। उद्देश्य शहीदों को याद करना रहा। बच्चों ने पौधारोपण कर देश को प्रणाम किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधान पाठक, राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक विनोद कुमार डड़सेना ने पौधा लगाकर की। उन्होंने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि केवल याद करना नहीं। उनके सपनों का भारत हरा-भरा, स्वच्छ, सुंदर बनाना है। बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। हर पौधा उनके लिए सम्मान, कृतज्ञता, संकल्प का प्रतीक बना। नन्हे हाथों से लगाए पौधों ने स्वतंत्रता दिवस को यादगार पहचान दी। इको क्लब प्रभारी शिक्षक जीतेन्द्र गिरि गोस्वामी के सहयोग से पहल को रूप मिला। उन्होंने कहा कि शहीदों की याद में लगाया पौधा आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता का मूल्य सिखाएगा। प्रकृति का महत्व भी बताएगा। इससे बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की रुचि बढ़ी। पौधों की देखभाल का भाव बना।

भौतिक प्रगति के साथ अपनी समृद्ध परंपरा और मानवीय मूल्यों को सहेजकर रखना ही सच्चा विकास- मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर जिला स्थित बिल्हा विकासखंड के ग्राम कड़ार में आयोजित भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने डॉ. खूबचंद बघेल और स्वामी आत्मानंद महाराज जैसी महान विभूतियों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में लाखों लोग जन्म लेते हैं, लेकिन अमर वही होते हैं जो अपने सत्कर्मों से समाज का निर्माण करते हैं और इतिहास रचते हैं।

इस अवसर पर ?मंत्री ने 20 लाख रूपए से बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमि पूजन किया। छत्तीसगढ़ निर्माण की पृष्ठभूमि का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि ?पृथक छत्तीसगढ़ राज्य का सपना देखा गया था, और मार्ग में निरंतर आगे बढ़ने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने उस सपने को साकार किया। यदि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ का निर्माण न हुआ होता, तो प्रदेश की स्थिति आज भी वैसी ही बनी रहती। आज सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, नौकरी और अधोसंरचना के हर क्षेत्र में तेज़ी से काम हो रहा है। छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा और राजस्व का पूरा पैसा अब यहीं के सर्वांगीण विकास में उपयोग हो रहा है।

सामाजिक बदलाव पर प्रकाश डालते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि कभी पूर्णतः कृषि पर आधारित हमारा समाज अब व्यवसाय, व्यापार और नौकरियों के क्षेत्र में भी तेज़ी से आगे बढ़ा है। लोगों के रहन-सहन का स्तर बदला है; जिनके पास कभी साइकिल नहीं थी, वे आज दोपहिया, चारपहिया और हवाई यात्रा तक का आनंद ले रहे हैं। गांव-गांव में महज 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में स्कूल, हायर सेकेंडरी विद्यालय और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं, लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है। इस भौतिक प्रगति के साथ हम सभी को सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण पर ध्यान देना जरूरी है।आधुनिकता के इस दौर में गांव-घर का पारस्परिक प्रेम और पारिवारिक मर्यादाएं प्रभावित हो रही हैं। प्रगति के साथ-साथ अपनी प्राचीन संस्कृति, परंपरा और संस्कारों को बनाए रखना बेहद अनिवार्य है, क्योंकि संस्कारों के बिना जीवन अधूरा है। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना होगा जहां आपसी प्रेम, भाईचारा, संवेदनशीलता और एक-दूसरे के दुख-सुख में खड़े रहने की भावना सदैव जीवंत रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक धरमलाल कौशिक ने अपने उद्बोधन में वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन और जीवन अनुभवों की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं का जीवन अनुभवों से भरा होता है, जिससे सीखकर, समझकर और पढ़कर संगठन व समाज सेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। पृथक छत्तीसगढ़ के निर्माण के बाद से लेकर आज तक प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। दूर-दराज़ के क्षेत्रों तक भौतिक साधनों और बुनियादी सुविधाओं की पहुंच ने आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है।

बिल्हा विकासखंड के ग्राम कड़ार में आयोजित इस भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के केडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी,सरपंच ब्रजेश दुबे,जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ नागरिक और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बस्तर की खूबसूरती ने देशभर से आए पर्यटन प्रतिनिधियों को किया मंत्रमुग्ध

जनजातीय संस्कृति और धुड़मारास के रोमांचक अनुभव से रूबरू हुए देश के विभिन्न राज्यों से आए 30 पर्यटन प्रतिनिधि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन को देश के पर्यटन बाजार में व्यापक पहचान दिलाने और राज्य की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत से देशभर के पर्यटन प्रतिनिधियों को परिचित कराने के उद्देश्य से 10 से 14 अगस्त 2026 तक आयोजित फैम टूर का सफल आयोजन हुआ। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों से आए कुल 48 पर्यटन प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इनमें दक्षिण छत्तीसगढ़ अर्थात बस्तर क्षेत्र के भ्रमण में 30 प्रतिनिधि शामिल हुए। पांच दिवसीय भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों, स्थानीय परंपराओं, साहसिक पर्यटन और आत्मीय आतिथ्य का करीब से अनुभव किया।

प्रतिनिधियों ने विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात का भ्रमण किया। इंद्रावती नदी पर निर्मित यह भव्य जलप्रपात अपने विस्तृत जलप्रवाह और प्राकृतिक परिवेश के कारण प्रतिनिधियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। चित्रकोट की विशाल जलधारा और आसपास का मनोहारी प्राकृतिक दृश्य देखकर प्रतिनिधियों ने इसे अविस्मरणीय पर्यटन अनुभव बताया।

गेड़ी और परब नृत्य ने दिखाई बस्तर की जीवंत संस्कृति

बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता के साथ प्रतिनिधियों को यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति से भी परिचित कराया गया। इस अवसर पर पारंपरिक गेड़ी नृत्य एवं परब नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्ययंत्रों की धुन और कलाकारों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने प्रतिनिधियों को बस्तर की जीवंत लोक संस्कृति से रूबरू कराया। प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिनिधियों ने महसूस किया कि बस्तर की पहचान केवल उसके जंगलों और जलप्रपातों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की लोककलाएं, परंपराएं, नृत्य, संगीत और जनजातीय जीवनशैली भी पर्यटन के महत्वपूर्ण धरोहर हैं।

चित्रकोट जलप्रपात का अनुभव साझा करते हुए प्रतिनिधियों ने इसकी प्राकृतिक सुंदरता की विशेष सराहना की। उन्होंने चित्रकोट के वातावरण को घूमने के लिए बेहद आकर्षक बताया और जलप्रपात के मनोहारी दृश्य को कैमरे में कैद करते हुए अपने अनुभव साझा किए। चित्रकोट जलप्रपात को करीब से देखकर प्रतिनिधि इसकी सुंदरता से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि यहां जलप्रपात और आसपास का प्राकृतिक दृश्य अलग-अलग समय में अलग रंग और रूप में दिखाई देता है। सूर्य की रोशनी में पानी की चमक और सफेद झाग जलप्रपात की खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं। उन्होंने कहा कि चित्रकोट प्रकृति की सुंदरता को करीब से महसूस करने का शानदार पर्यटन स्थल है।

प्रतिनिधियों ने कांगेर नदी और घने जंगलों के बीच बसे धुड़मारास गांव का रोमांचक अनुभव लिया।

केशकाल घाटी से हुआ बस्तर की खूबसूरती का सफर

प्रतिनिधियों ने बस्तर के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध केशकाल घाटी से बस्तर में प्रवेश किया। घने जंगलों, घुमावदार पहाड़ी मार्गों और चारों ओर फैली हरियाली के बीच से गुजरते हुए प्रतिनिधियों ने बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव किया। केशकाल घाटी ने उन्हें बस्तर के उस प्राकृतिक संसार की झलक दी, जहां जंगल, पहाड़ और घाटियां मिलकर अद्भुत पर्यटन अनुभव रचते हैं।

प्रकृति और जनजातीय जीवन के अनूठे मेल के लिए पहचान बना रहा धुड़मारास ग्रामीण पर्यटन की नई संभावनाओं को सामने लाता है। प्रतिनिधियों ने यहां जनजातीय गृह-निवास का अनुभव लिया। स्थानीय समुदाय द्वारा पारंपरिक तरीके से पर्यटकों का स्वागत, मिट्टी और स्थानीय शैली से बने घरों में ठहरने का अनुभव, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद और ग्रामीण जीवन को करीब से समझने का अवसर उनके लिए विशेष आकर्षण रहा।

वनांचल के बच्चों को मिलेगी हाईटेक शिक्षा

सरस्वती शिशु मंदिर में डिजिटल-एआई स्मार्ट कक्षाओं का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। आदिवासी बाहुल्य सुकमा जिले में शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति की शुरुआत हुई है। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर सुकमा में डिजिटल एंड्रॉयड एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम आधारित स्मार्ट कक्षाओं का भव्य शुभारंभ राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस पहल से अब वनांचल के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक, ऑडियो-वीडियो माध्यम और इंटरैक्टिव शिक्षण के जरिए महानगरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलेगा।

शुभारंभ समारोह में राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यालय की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए अधोसंरचना विकास के लिए 5 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक को शिक्षा से जोड़ना आज की आवश्यकता है और ऐसे प्रयास दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका शोरी, नगर पालिका परिषद सुकमा के अध्यक्ष हूंगाराम मरकाम, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे और पार्षद रंजीत बारठ, रमेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। भारतीय संस्कृति, संस्कार और आधुनिक तकनीक के समन्वय को विद्यालय की इस पहल का आधार बनाया गया है। शबरी शिक्षण समिति के पदाधिकारियों के अनुसार स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को कठिन विषयों को दृश्य-श्रव्य एवं तकनीकी माध्यमों से सरलता से समझने का अवसर मिलेगा।

चिरायु योजना ने एक मासूम बच्चे के जीवन में फिर से सुनने की खुशियां लौटाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री चिरायु योजना ने एक मासूम बच्चे के जीवन में फिर से सुनने की खुशियां लौटाई हैं। राजनांदगांव जिले के मयंक ने करीब डेढ़ वर्ष की उम्र में अपनी सुनने की क्षमता खो दी थी। परिवार के लिए यह स्थिति बेहद कठिन थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की तत्परता और शासकीय योजनाओं के प्रभावी समन्वय से मयंक को उपचार की नई उम्मीद मिली। आरबीएसके टीम ने बच्चे की स्थिति का परीक्षण करने के बाद आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की और परिवार से समन्वय करते हुए बिना समय गंवाए मयंक को देश की प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्था एम्स में उपचार के लिए रिफर किया। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में मयंक का कॉक्लियर इम्प्लांट ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया।

ऑपरेशन के बाद वह भावुक क्षण आया, जिसका इंतजार मयंक के माता-पिता लंबे समय से कर रहे थे। जब पहली बार कॉक्लियर इम्प्लांट मशीन को चालू किया गया, तो मयंक ने अपने माता-पिता की आवाज पहली बार सुनी। अपने बच्चे के चेहरे पर सुनने की प्रतिक्रिया देखकर माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे। यह भावुक पल मुख्यमंत्री चिरायु योजना की सफलता और स्वास्थ्य विभाग की तत्परता की जीवंत मिसाल बन गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऑपरेशन के बाद मयंक के स्वास्थ्य की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उसे आगे के उपचार एवं पुनर्वास के लिए सीआरसी (क्षेत्रीय पुनर्वास केन्द्र) भेजा गया है। यहां विशेषज्ञों की देखरेख में मयंक को स्पीच एवं हियरिंग थेरेपी दी जा रही है, ताकि वह आवाजों को बेहतर ढंग से समझ सके और सामान्य बच्चों की तरह बोलना सीख सके। मयंक की कहानी यह बताती है कि समय पर पहचान, उचित मार्गदर्शन और शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किसी बच्चे के जीवन में कितना बड़ा बदलाव ला सकता है।

ग्रामीणों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताः राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटकोना पहुंचकर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, आवश्यकताओं और स्थानीय स्तर पर सामने आ रहे विभिन्न विषयों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

मंत्री श्री अग्रवाल ने ग्रामीणों से संवाद के दौरान उनकी बातों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र की जनता से सीधे संवाद करना और उनकी समस्याओं को समझकर उनका समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं के संबंध में उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से आवश्यक जानकारी ली और समस्याओं के निराकरण के लिए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान ग्रामवासियों ने खदान से संबंधित विभिन्न विषय भी मंत्री राजेश अग्रवाल के संज्ञान में लाए। ग्रामीणों की चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए मंत्री ने कहा कि इस विषय में ग्रामवासियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पूरे मामले का यथोचित परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

श्री अग्रवाल ने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। विकास के साथ स्थानीय लोगों के हितों, सुविधाओं और अधिकारों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रामवासियों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करना सरकार की प्राथमिकता है।

ग्राम कटकोना में मंत्री अग्रवाल के साथ हुए संवाद के दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न स्थानीय विषयों और आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराया। मंत्री ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा उठाए गए विषयों पर संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ देखा जाएगा।

विद्यार्थियों ने देखी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और 'वंदे मातरम' पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी

वंदे मातरम की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, सेनानियों के योगदान और सुशासन की उपलब्धियों का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के योगदान, अमर सेनानियों के शौर्य एवं बलिदान, राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा तथा राज्य की सुशासन और विकास यात्रा को प्रदर्शनी में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

इसी क्रम में बी.पी. पुजारी गवर्नमेंट इंग्लिश मिडियम स्कूल, राजातालाब रायपुर के विद्यार्थियों ने शिक्षिकाओं के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विद्यार्थी मानवी साहू, पलक साहू, योगिता विश्वकर्मा, आर्नेदित बोस और युगती सोनकर शिक्षिका अनवरी जावेद शेख एवं सुनील महर के साथ प्रदर्शनी देखने पहुंचे। विद्यार्थियों ने विभिन्न छायाचित्रों, ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रदर्शित सामग्री को उत्सुकता के साथ देखा तथा स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों की जानकारी प्राप्त की।

प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की 150 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर केंद्रित खंड है। इसमें 'वंदे मातरम' की रचना से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रजागरण के प्रेरणादायी स्वर के रूप में इसकी भूमिका को ऐतिहासिक संदर्भों और छायाचित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी के माध्यम से नई पीढ़ी को यह समझने का अवसर मिल रहा है कि स्वतंत्रता केवल संघर्ष और बलिदान का परिणाम नहीं, बल्कि देशवासियों की एकजुटता, राष्ट्रप्रेम और दृढ़ संकल्प की भी गौरवगाथा है। प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, जननायकों और अमर बलिदानियों के योगदान से जुड़े दुर्लभ छायाचित्र, दस्तावेज और ऐतिहासिक प्रसंग प्रदर्शित किए गए हैं। महात्मा गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास तथा प्रदेश में हुए सामाजिक और राष्ट्रीय आंदोलनों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग भी प्रदर्शनी का हिस्सा हैं।

विभागीय अधिकारियों ने विद्यार्थियों को छायाचित्रों और ऐतिहासिक घटनाओं की जानकारी देते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण से अवगत कराया। प्रदर्शनी में राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं और आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। महिलाओं, किसानों, युवाओं, श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से विकास और सशक्तिकरण की तस्वीर प्रस्तुत की गई है। महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी पहलों की जानकारी भी प्रदर्शनी में दी गई है। विद्यार्थियों ने इन योजनाओं के बारे में भी विशेष रुचि दिखाई।

प्रदर्शनी में डिजिटल पंजीयन, सुशासन तिहार, हरित छत्तीसगढ़, शिक्षा एवं अधोसंरचना विस्तार सहित राज्य की विकास यात्रा को भी छायाचित्रों और सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
सिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

ब्लैक कट-आउट ड्रेस में अवनीत का बोल्ड अवतार ग्लैमरस तस्वीरों से बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

डिजिटल वर्ल्ड और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने फैशन सेंस से तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर जब भी कोई नया लुक शेयर करती हैं, तो वह इंटरनेट पर वायरल हो जाता है। अवनीत ने एक बार फिर अपनी तस्वीरों से तहलका मचा दिया है।

अवनीत कौर ने ऑल-ब्लैक टू-पीस कट-आउट ड्रेस में अपनी कुछ बेहद बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की है। तस्वीरों के सामने आते ही कमेंट सेक्शन में फैंस ने रेड हार्ट और फायर इमोजी की बौछार कर दी है। हर कोई उनके इस एटीट्यूड और टोन्ड फिगर की तारीफ कर रहा है।

अवनीत कौर का यह लेटेस्ट आउटफिट किसी भी नाइट-आउट या क्लब पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट इंस्पिरेशन है। अवनीत ने प्लंजिंग नेकलाइन वाला ब्लैक स्ट्रैपी क्रॉप टॉप पहना हुआ है।

इस टॉप के सेंटर में दिया गया सन-शेप या स्टार-शेप का गोल्डन मैटेलिक ब्रोच इस सिंपल ब्लैक टॉप को बेहद रॉयल और अट्रैक्टिव लुक दे रहा है।

टॉप के साथ ट्यूनिंग करते हुए उन्होंने मैचिंग ब्लैक लो-वेस्ट ट्राउजर पेयर किया है। ट्राउजर के फ्रंट वेस्टबैंड पर बने कट-आउट पर भी वही गोल्डन मैटेलिक डिटेलिंग है, जो उनके एब्स और कर्वी फिगर को हाईलाइट कर रही है।

अवनीत ने अपने लुक को क्लासी बनाए रखने के लिए मिनिमल लेकिन इम्पैक्टफुल स्टाइलिंग चुनी है। एक्ट्रेस ने बेस को नेचुरल और ड्यूई रखा है। हाइलाइटेड चीकबोन्स, सॉफ्ट आईशैडो और न्यूड-पिंक लिपस्टिक उनके फेशियल फीचर्स को उभार रही है।

अवनीत तस्वीरों में एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस का यह बोल्ड अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

शाजान पद्मसी ने अपने पहले सिंगल रातां कालियां से बतौर सिंगर किया डेब्यू

एक्टर के तौर पर लोगों का दिल जीतने के बाद, शाजान पद्मसी अब अपने पहले सिंगल के साथ एक नई म्यूज़िकल जर्नी की शुरुआत कर रही हैं। शाजान पद्मसी अब अपनी आर्टिस्ट्री का एक बिल्कुल नया पहलू एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हैं। अपने पहले सिंगल रातां कालियां के साथ वह बतौर सिंगर डेब्यू कर रही हैं। स्क्रीन पर अपनी पहचान बनाने के बाद, शज़ान अब माइक्रोफोन के पीछे अपनी आवाज़ का जादू बिखेरने जा रही हैं और यह उनकी क्रिएटिव जर्नी का एक नया चैप्टर है।

म्यूज़िक हमेशा से ही शाजान की ज़िंदगी का अहम हिस्सा रहा है। बहुत कम उम्र में बोर्डिंग स्कूल जाने के कारण उन्होंने परिवार से जुड़े रहने के लिए लेटर्स लिखना शुरू किया। इसी दौरान उन्होंने कम उम्र में ही अपने इमोशन्स को एक्सप्रेस करना सीखा। इकलौती संतान होने की वजह से म्यूज़िक भी उनके लिए एक तरह की थेरेपी बन गया।

दो मशहूर हस्तियों की बेटी होने के कारण शाजान का बचपन बेहद क्रिएटिव माहौल में बीता। उनकी मां भारत की पहली पॉप स्टार्स में से एक रही हैं। घर में अक्सर प्लेज़ और म्यूज़िकल्स की रिहर्सल्स होती रहती थीं और एक्टर्स व सिंगर्स का आना-जाना लगा रहता था। टीनएज में शाजान की दिलचस्पी हाउस म्यूज़िक में बढ़ी।

उन्होंने डाफ्ट पंक, मोड्जो और बॉब सिंक्लर जैसे आर्टिस्ट्स से इंस्पिरेशन ली। साथ ही रेडियोहेड, द कार्डिगन्स और नताली इम्ब्रूलिया जैसे आर्टिस्ट्स के जरिए अल्टरनेटिव पॉप को भी एक्सप्लोर किया।

उन्होंने हॉबी के तौर पर म्यूज़िक प्रोडक्शन सीखा और खुद से पियानो बजाना भी सीखा। हालांकि, बड़ी होने के साथ उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग पर फोकस करने के लिए अपने म्यूज़िक पैशन को कुछ समय के लिए रोक दिया और कई पॉपुलर बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा बनीं।

म्यूज़िक में वापसी को लेकर शाजान पद्मसी ने कहा, मैंने एक्टिंग को नहीं चुना, बल्कि एक्टिंग ने मुझे चुना। 22 साल की उम्र में किसी के लिए भी यह एक सपने के सच होने जैसा था, लेकिन मेरे अंदर कहीं गहराई में म्यूज़िक की तरफ एक स्ट्रॉन्ग कॉलिंग थी। अंदर से एक आवाज़ कह रही थी कि क्रिएटिव तौर पर मुझे अभी बहुत कुछ एक्सप्लोर करना है। तभी मैंने अपना गियर बदला और म्यूज़िक को लेकर पूरी तरह जुनूनी होकर उसे फॉलो करना शुरू किया। इसके बाद शज़ान ने म्यूज़िक को सीरियसली लेने का फैसला किया और अपनी मां के साथ घंटों रियाज़ करने लगीं। उनकी मां ही उनकी इन-हाउस गुरु बन गईं।

शाजान ने बेसिक्स से दोबारा शुरुआत की और खुद को एक स्ट्रॉन्ग वोकलिस्ट बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित कर दिया। उनकी म्यूज़िकल जर्नी उन्हें यूरोप तक भी ले गई, जहां उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूज़िक सीन के इंटरनेशनल आर्टिस्ट्स के साथ वक्त बिताया। वहां उन्होंने वोकल्स, सॉन्गराइटिंग और पियानो सीखा और धीरे-धीरे अपनी खुद की यूनिक साउंड तैयार की।

भारत लौटने के बाद उन्होंने देश के बढ़ते इंडी म्यूज़िक सीन को करीब से देखा, जिसमें ग्लोबल इन्फ्लुएंसेज़ और इंटरनेशनल एलिमेंट्स का खूबसूरत ब्लेंड देखने को मिल रहा था। यही देखकर उन्हें लगा कि अब अपनी म्यूज़िकल जर्नी शुरू करने का सही वक्त आ गया है। शाजान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक नया सिंगल नहीं, बल्कि उनकी क्रिएटिव जर्नी की एक नई शुरुआत है।

यह गाना प्यार के सफर को दिखाता है, जहां इंसान इमोशनल डिपेंडेंस से निकलकर प्यार की एक सिक्योर और बेहतर समझ तक पहुंचता है। यह एहसास कि सच्चा प्यार किसी खालीपन को भरने के बारे में नहीं, बल्कि ऐसे प्यार को पाने के बारे में है जिसमें आप खुद होकर भी सेफ महसूस करें। रातां कालियां का पूरा गाना 19 अगस्त 2026 को रिलीज़ होगा।

दीवार का पेंट उखड़ रहा है? इन 5 तरीकों से आप उसे कर सकते हैं ठीक

दीवारों पर पेंट उखड़ना एक आम समस्या है, खासकर अगर दीवारें नमी से प्रभावित हों। यह न केवल देखने में खराब लगता है, बल्कि दीवारों की उम्र को भी कम कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप इस समस्या का समाधान कर सकते हैं और अपनी दीवारों को नया जैसा बना सकते हैं। ये सभी तरीके आसानी से अपनाए जा सकते हैं और सस्ते भी हैं।

दीवारों को साफ करें

सबसे पहले प्रभावित क्षेत्र को साफ करना जरूरी है। इसके लिए एक स्पंज या ब्रश का उपयोग करें और उस जगह को अच्छी तरह से साफ करें, जहां से पेंट उखड़ रहा हो।

अगर वहां पर कोई गंदगी या धूल-मिट्टी जमा हो तो उसे हटाएं। इससे पेंट लगाने में आसानी होगी और नया पेंट अच्छी तरह से चिपकेगा। इस प्रक्रिया से दीवार की सतह भी तैयार हो जाएगी, जिससे पेंट का असर बेहतर होगा।

नमी को नियंत्रित करें

नमी दीवारों के उखड़ने का मुख्य कारण होती है, जो सीलन पैदा करके उन्हें कमजोर भी कर सकती है। इसके लिए कमरे में हवा का प्रवाह बढ़ाएं, ताकि ताजगी बनी रहे और नमी कम हो।

इसके अलावा दीवारों पर हवा आने-जाने का ध्यान रखें, ताकि नमी बाहर निकल सके। इस तरह आप अपनी दीवारों को सुरक्षित रख सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं।

प्राइमर लगाएं

पेंट लगाने से पहले प्राइमर लगाना बहुत जरूरी है। प्राइमर एक आधार तैयार करता है, जिससे नया पेंट अच्छी तरह से चिपकता है और लंबे समय तक टिकता है।

यह न केवल पेंट की गुणवत्ता बढ़ाता है, बल्कि दीवारों को मजबूत भी बनाता है। प्राइमर लगाने से पहले दीवारों को अच्छी तरह से साफ करें और सूखने दें।

इसके बाद ही नए पेंट को लगाएं, ताकि वह सही तरीके से जम सके और दीवारें सुंदर दिखें।

सही पेंट चुनें

दीवारों के लिए सही पेंट चुनना अहम है। ऐसे पेंट का चयन करें, जो नमी से बचाने वाला हो और जल्दी सूख जाए। बाजार में कई प्रकार के नमी-रोधी पेंट उपलब्ध हैं, जिनमें पानी पर आधारित और तेल पर आधारित पेंट शामिल होते हैं। पानी पर आधारित पेंट ज्यादा बेहतर माने जाते हैं, क्योंकि ये जल्दी सूखते हैं और दीवारों को लंबे समय तक नया जैसा रखते हैं। इसके अलावा ये पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित होते हैं।

नियमित जांच करें

एक बार जब आपने अपनी दीवारों पर नया पेंट लगा दिया हो तो नियमित अंतराल पर उसकी जांच करना जरूरी है। अगर कहीं पर कोई छोटा-सा हिस्सा उखड़ता हुआ दिखे तो उसे तुरंत ठीक करें, ताकि समस्या बड़ी न हो सके। इसके अलावा समय-समय पर दीवारों की सफाई भी करते रहें, ताकि उनका रूप-रंग बरकरार रहे। इस तरह आप अपनी दीवारों को हमेशा खूबसूरत और मजबूत बनाए रख सकते हैं।

सनी देओल का दर्शकों को दोहरा तोहफा बंटवारा 1947 के साथ दिखाया गबरू का टीजर

सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म बंटवारा 1947 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जिन लोगों ने फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख किया, उन्हें अभिनेता की ओर से 2 तोहफे नसीब हुए हैं। दरअसल, बंटवारा 1947 की रिलीज से पहले, सनी की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म गबरू का टीजर दिखाया गया। टीजर देखने के बाद यह दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, और लोग फिल्म को लेकर उत्साहित हो गए हैं।

दरअसल, सनी देओल 'गबरू' नाम की एक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं. 'बंटवारा 1947' के साथ इसका टीजर अटैच किया गया. कई सिनेमाघरों में ऑडियंस को 'गबरू' की झलक देखने को मिली. जहां अपनी लेटेस्ट फिल्म में सनी पाजी एक्शन अवतार में नजर आए हैं, तो वहीं 'गबरू' का जो टीजर दिखाया गया है उसमें उनका थोड़ा लाइट वर्जन दिखाया गया है। टीजर में फैमिली फिल्म की वाइब आती है।

सोशल मीडिया यूजरों ने गबरू का टीजर साझा किया, जो ऑनलाइन वायरल हो रहा है।

जहां बंटवारा 1947 में अभिनेता विभाजन के उथल-पुथल दौर में दिखते हैं, तो वहीं गबरू में उन्हें एक हल्के-फुल्के, गर्मजोशी और ज्यादा आकर्षक अंदाज में दिखाया गया है।

शशांक उदपुरकर द्वारा निर्देशित और विशाल राणा द्वारा निर्मित यह एक एक भावनात्मक ड्रामा है, जिसमें रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगी और सलमान खान का कैमियो होगा।

फिल्म की रिलीज तारीख का ऐलान होना बाकी है। बता दें कि 'गबरू' की कहानी शशांक उदापुरकर ने लिखी है और उन्होंने ही फिल्म को डायरेक्ट किया है। अभी पिक्चर की रिलीज डेट का ऐलान होना बाकी है। सिनेमाघरों में जो टीजर दिखाया गया उसमें भी रिलीज डेट के बारे में नहीं बताया गया।

देखना होगा कि मेकर्स कब तक रिलीज डेट की घोषणा करते हैं। इस फिल्म में रकुलप्रीत सिंह भी नजर आने वाली हैं. मेकर्स ने 'बंटवारा 1947' के जरिए सिनेमाघरों में तो 'गबरू' का टीजर दिखा दिया है, लेकिन अभी डिजिटली टीजर रिलीज नहीं किया गया है। फैंस को यूट्यूब पर भी टीजर रिलीज होने का इंतजार है।

कपड़ों को जल्दी खराब होने से बचाने के लिए अपनाएं ये 5 आसान आदतें

कपड़े हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा होते हैं। चाहे वह ऑफिस के लिए हों, पार्टी के लिए या रोजमर्रा के उपयोग के लिए। हम सभी चाहते हैं कि हमारे कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखें। इसके लिए हमें कुछ आसान और असरदार आदतें अपनानी चाहिए। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी आदतें बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने कपड़ों की उम्र बढ़ा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बनाए रख सकते हैं।

धोने का सही तरीका अपनाएं

कपड़े धोने का सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी है। गर्म पानी में कपड़े धोने से कपड़े फट सकते हैं या सिकुड़ सकते हैं, इसलिए हमेशा ठंडे पानी का उपयोग करें।

साबुन का सही मात्रा में उपयोग करें और कपड़ों को उल्टा करके धोएं, ताकि उनके रंग और डिजाइन सुरक्षित रहें। इसके अलावा नाजुक कपड़ों को हाथ से धोना बेहतर होता है।

इससे कपड़ों की गुणवत्ता बनी रहती है और वे लंबे समय तक नए जैसे दिखते हैं।

सुखाने का सही तरीका जानें

कपड़ों को सुखाने का तरीका भी अहम होता है। धूप में सीधे कपड़े सुखाने से उनके रंग फीके पड़ सकते हैं, इसलिए उन्हें छांव में सुखाना बेहतर है।

इसके अलावा कपड़ों को टांगने से पहले हल्का-सा खींच लें, ताकि उनकी आकृति बनी रहे। नाजुक कपड़ों को हवा में सुखाना बेहतर होता है।

इससे वे जल्दी सूखते हैं और उनकी गुणवत्ता भी बनी रहती है। इन तरीकों से आप अपने कपड़ों को लंबे समय तक नए जैसा बना सकते हैं।

इस्त्री करते समय ध्यान दें

इस्त्री करते समय तापमान का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अधिक गर्मी से कपड़े सिकुड़ सकते हैं या जल सकते हैं, इसलिए अलग-अलग कपड़ों के लिए अलग-अलग तापमान सेट करें।

सूती के लिए अधिक तापमान और लिनन या रेशम के लिए मध्यम तापमान सेट करें। इस्त्री करने से पहले कपड़ों को हल्का-सा गीला कर लें, ताकि इस्त्री आसानी से हो सके और कपड़े अच्छे से सेट हो जाएं।

इससे आपके कपड़े लंबे समय तक नए जैसे दिखेंगे।

स्टोर करने का तरीका सुधारें

कपड़ों को सही तरीके से स्टोर करना भी अहम होता है। अगर आप अपने कपड़ों को सही तरीके से स्टोर नहीं करेंगे तो वे धूल-मिट्टी या कीड़े-मकोड़ों से खराब हो सकते हैं।

इसके लिए कपड़ों को साफ-सुथरा करके अलमारी में रखें और बीच-बीच में उन्हें हफ्ते में एक बार निकालकर हवा लगाएं।

नाजुक कपड़ों को कपड़े धोने वाले बैग में स्टोर करें, ताकि वे सुरक्षित रहें। इसके अलावा समय-समय पर अलमारी को साफ करना न भूलें।

एक्सेसरीज का ध्यान रखें

अगर आप अपने कपड़ों के साथ एक्सेसरीज पहनते हैं, जैसे बेल्ट और घड़ी आदि तो उनका ध्यान रखना भी जरूरी होता है।

इन एक्सेसरीज में मौजूद धातु या अन्य सामग्री आपके कपड़ों पर असर डाल सकती हैं, इसलिए इन्हें अलग-अलग रखें। इन आसान आदतों को अपनाकर आप न केवल अपने कपड़ों की देखभाल कर सकते हैं, बल्कि उन्हें लंबे समय तक नए जैसा बना सकते हैं।

इन तरीकों से आपके कपड़े न केवल सुंदर दिखेंगे, बल्कि आरामदायक भी रहेंगे।

खास-खबर

जिला स्तरीय रोजगार मेला 20 अगस्त को, 117 पदों पर होगी भर्ती

महासमुंद। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र महासमुंद द्वारा 20 अगस्त को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मचेवा महासमुंद में प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की स्वतंत्र माइक्रोफाइन प्राइवेट लिमिटेड, स्वाभिमान फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, एनआईआईटी लिमिटेड, पुस्कल एग्रोटेक लिमिटेड एवं वेक्टर फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड सहित विभिन्न नियोजकों द्वारा 10वीं, 12वीं, बीएससी एग्रीकल्चर एवं स्नातक उत्तीर्ण आवेदकों के लिए कुल 117 विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा अन्य नियोजक भी उपस्थित होने पर रोजगार मेले में सम्मिलित किए जा सकेंगे।

कवर्धा-बेमेतरा-सिमगा से रायपुर को जोड़ने की योजना, डीपीआर जल्द

रायपुर। रायपुर से भोपाल का सड़क सफर आधा हो सकता है। मध्यप्रदेश सरकार भोपाल-जबलपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे और जबलपुर से छत्तीसगढ़ सीमा तक सिक्सलेन सड़क की करीब 15 हजार करोड़ रुपए की योजना तैयार कर रही है। इसे छत्तीसगढ़ में कवर्धा, बेमेतरा और सिमगा होते हुए रायपुर से जोड़ने की योजना है। रायपुर से भोपाल तक 15-16 घंटे का समय लगता है। इस कॉरिडोर के बनने से समय कम लगेगा। वहीं रायपुर-जबलपुर की यात्रा के दौरान 8 घंटे से भी कम समय लगेगा। प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे भोपाल से शुरू होकर सागर, दमोह, जबलपुर और मंडला होते हुए छत्तीसगढ़ सीमा तक पहुंचेगा। इसके बाद इसे कवर्धा, बेमेतरा और सिमगा के रास्ते रायपुर से जोड़ा जाएगा।

बकाया टैक्स जमा नहीं करने पर 3 प्रतिष्ठान सील

रायपुर। नगर निगम जोन-9 ने बकाया कर जमा नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। जोन-9 के वार्ड नंबर 11 में 3 बकायादारों के व्यवसायिक परिसरों को सील कर दिया गया। निगम की राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर परिसरों पर ताला लगाकर सीलबंदी की कार्रवाई की। बकाया राशि जमा नहीं करने पर समविन्दर सिंह संधू, नीलू अग्रवाल, कमल किशोर अग्रवाल और विनोद तिवारी के खिलाफ कार्रवाई की गई। राजस्व वसूली अभियान के तहत कार्रवाई नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के आदेश और उपायुक्त राजस्व डॉ. अंजलि शर्मा एवं जोन-9 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। मौजूदगी में राजस्व विभाग की टीम ने कार्रवाई की।

हीलर हर्बल गार्डन योजना से वैद्यों को मिलेगा नया संबल

बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने किया योजना का शुभारंभ, 48 वैद्यों को हर्बल गार्डन के लिए प्रथम किस्त का स्वीकृति पत्र वितरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक स्वास्थ्य परंपरा और वनौषधियों के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विगत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा कोण्डागांव में जिला स्तरीय वैद्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। दक्षिण कोण्डागांव वनमंडल के काष्ठागार में आयोजित सम्मेलन में बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने हीलर हर्बल गार्डन योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 48 वैद्यों को अपने घर की बाड़ी में औषधीय पौधों का उद्यान विकसित करने के लिए प्रथम किस्त का स्वीकृति पत्र वितरित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने दीप प्रज्वलित कर की। वैद्य रामप्रसाद निषाद, सुखमन मरकाम, हीरालाल मरकाम, जेठूराम प्रधान, चिला पोथाम, जयनाथ मरकाम, विशाल सोरी, सकालु राम कोर्राम, मोहन नेताम और नथाराम नाग ने पारंपरिक जड़ी-बूटियों और उनके उपचार में उपयोग से संबंधित अपना अनुभव साझा किया। वैद्यों ने

पहचान पत्र जारी करने तथा वनौषधियों के संरक्षण में वैद्यों की भूमिका बढ़ाने का आग्रह किया।

बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जे.ए.सी.एस. राव ने बताया कि हीलर हर्बल गार्डन योजना के तहत वैद्य अपनी बाड़ी में सामान्य रूप से उपयोग होने वाली वनौषधियों का छोटा उद्यान तैयार कर सकेंगे। इसके लिए बोर्ड की ओर से आर्थिक और तकनीकी सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वैद्यों के समूहों को जड़ी-बूटियों की बेहतर प्रसंस्करण के लिए निःशुल्क पिसाई मशीन (पल्वराइजर) उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि वैद्यों के निवास वाले गांवों के स्कूलों में स्कूल हर्बल गार्डन विकसित करने के लिए भी बोर्ड तकनीकी और आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है। साथ ही प्रदेश के वैद्यों के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। वैद्यों द्वारा तैयार औषधीय उत्पादों और पारंपरिक उपचार से जुड़े उत्पादों के पेटेंट में भी बोर्ड सहयोग करेगा।

बोर्ड अध्यक्ष विकास मरकाम ने कहा कि सरकार वैद्यों और पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों के संरक्षण के लिए गंभीरता से काम कर रही है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में वैद्य सम्मेलन आयोजित कर वैद्यों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगले तीन महीनों में राज्य के सभी जिलों में वैद्य सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

श्री मरकाम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज और वैद्यों ने पारंपरिक भोजन, दैनिक जीवनशैली, स्वास्थ्य परंपराओं और उपचार पद्धतियों के ज्ञान को आज भी जीवित रखा है। उन्होंने बताया कि नवंबर माह में अखिल भारतीय वैद्य सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ वैद्यों को अपनी उपचार पद्धतियों का प्रदर्शन करने के लिए मंच और स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे।

वनौषधियों के संरक्षण पर विशेष जोर

दक्षिण कोण्डागांव वनमंडल अधिकारी चूड़ामणि सिंह ने वैद्यों की सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने वनौषधियों के उपयोग की मात्रा और उपचार संबंधी जानकारी को व्यवस्थित करने, विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ वैद्यों की सूची तैयार करने तथा उनके अनुभवों को साझा करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कम हो रही वनौषधियों की जानकारी वैद्यों से उपलब्ध कराने का आग्रह किया, ताकि उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए आवश्यक योजना बनाई जा सके। उन्होंने वैद्यों के साथ हर महीने बैठक आयोजित करने और वनौषधियों से संबंधित उपयोगी जानकारी का प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार करने की बात कही।

अटल जी का जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन, लोकतांत्रिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना की प्रेरणाः राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि अटल जी भारतीय राजनीति के ऐसे विराट व्यक्तित्व थे, जिन्होंने अपने विचारों, सिद्धांतों, संवेदनशील नेतृत्व और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की भावना से सार्वजनिक जीवन में एक नई मिसाल कायम की। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

राजेश अग्रवाल ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का छत्तीसगढ़ से विशेष और आत्मीय संबंध रहा है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ देश के नए राज्य के रूप में

अस्तित्व में आया। छत्तीसगढ़ के गठन का निर्णय केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं था, बल्कि यह प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं, पहचान और विकास की संभावनाओं को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के अवसर पर अटल जी को राज्य के निर्माण की दूरदर्शी सोच वाला नेता बताते हुए उनके योगदान को स्मरण कर चुके हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री अग्रवाल ने कहा कि अटल जी ने राजनीति में विचारों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोच्च स्थान दिया। वे अपनी प्रभावशाली वाणी के साथ-साथ सहज, सरल और संवेदनशील व्यक्तित्व के लिए भी सदैव याद किए जाते रहेंगे। उन्होंने राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखा और विभिन्न विचारधाराओं के लोगों के साथ संवाद एवं समन्वय की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत किया।

उन्होंने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं था। वे एक संवेदनशील कवि, प्रखर वक्ता और भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्र चेतना के सजग प्रतिनिधि थे। उनके विचारों में देश की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरा सम्मान और आधुनिक भारत के निर्माण की स्पष्ट दृष्टि दिखाई देती थी। उनकी सरकार के कार्यकाल में देश ने अधोसंरचना, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, परमाणु क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की।

राजेश अग्रवाल ने कहा कि अटल जी ने देश को विकास के साथ अपनी जड़ों और विरासत से जुड़े रहने का संदेश दिया। आज छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध लोककला, लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक सौंदर्य को देश-दुनिया तक पहुंचाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में अटल जी की दूरदर्शिता और विकास के साथ विरासत को सम्मान देने की सोच विशेष रूप से प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के पर्यटन और संस्कृति के विकास के प्रयासों में भी अटल जी की उस सोच को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्राम पाली में महिला कमांडो टीम का गठन, साइबर जागृति अभियान के तहत ग्रामीणों को किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के साथ साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम पाली में महिला कमांडो टीम का गठन किया गया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (आईपीएस) के निर्देशन में सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे एवं चौकी नैला प्रभारी रंजीत सिंह कंवर की पहल पर आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को साइबर अपराध, महिला-बाल सुरक्षा एवं नए कानूनों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने वीडियो कॉल के माध्यम से ग्राम पाली में गठित महिला कमांडो टीम एवं ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। उन्होंने महिला कमांडो का उत्साहवर्धन करते हुए गांव में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव तथा किसी भी आपराधिक घटना की तत्काल सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं से अपने आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा किसी भी परेशानी या घटना की जानकारी बिना संकोच पुलिस तक पहुंचाने की अपील की। ग्राम पाली की सक्रिय महिलाओं को शामिल कर महिला कमांडो टीम का गठन किया गया है। टीम का उद्देश्य गांव में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाना और पुलिस तथा आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। ग्रामीणों को महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराध, साइबर अपराध तथा नए आपराधिक कानूनों के प्रमुख प्रावधानों की सरल भाषा में जानकारी दी गई।

कृषि केंद्रों के औचक निरीक्षण में अनियमितता मिलने पर विक्रय प्रतिबंध की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि विभाग द्वारा कृषि आदान सामग्री के भंडारण, अभिलेखों के संधारण एवं विक्रय व्यवस्था की नियमित निगरानी के क्रम में बेमेतरा के विकासखंड बेरला अंतर्गत कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के संधारण में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कृषि आदान विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई।

निरीक्षण के दौरान वर्मा कृषि केंद्र, कोदवा एवं जय भोले कृषि केंद्र, कोदवा में स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक का नियमित एवं नियमानुसार संधारण नहीं किया जाना पाया गया। इस अनियमितता को गंभीरता से लेते हुए दोनों कृषि केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तथा तत्काल प्रभाव से कृषि आदान सामग्री के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की कार्रवाई की गई। इसी प्रकार सिद्धिविनायक कृषि केंद्र, कोदवा एवं तिवारी कृषि केंद्र, घोटमर्रा के निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर का समुचित रूप से संधारण नहीं किया जाना पाया गया। इस पर संबंधित कृषि केंद्रों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कृषि विभाग द्वारा कृषि आदान विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे उर्वरक, बीज, कीटनाशक सहित अन्य कृषि आदान सामग्री के भंडारण एवं विक्रय से संबंधित सभी आवश्यक अभिलेखों का नियमित एवं नियमानुसार संधारण सुनिश्चित करें। स्टॉक रजिस्टर एवं बिल बुक में प्रत्येक आवक एवं विक्रय का सही एवं अद्यतन विवरण दर्ज किया जाए।

नैमेड में ब्लॉक स्तरीय साइकिल प्रतियोगिता का आयोजन, 36 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे के सौजन्य से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ब्लॉक स्तरीय सद्भावना साइकिल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से कुल 36 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

साइकिल रेस नैमेड बस स्टैंड से प्रारंभ होकर मिंगाचाल तक गई तथा वहां से पुनः नैमेड बस स्टैंड पहुंचकर समाप्त हुई। लगभग 10 किलोमीटर की इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने जोश एवं खेल

भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में ग्राम पापनपाल के पाकलू कुड़ियाम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें प्रथम पुरस्कार के रूप में साइकिल एवं ट्रॉफी जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे (क्षेत्र क्र-07, नैमेड) द्वारा प्रदान की गई। द्वितीय स्थान ग्राम एरमनार के पोदीयो माड़वी ने प्राप्त किया, जिन्हें 3000 रुपये नगद एवं ट्रॉफी जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर के उपाध्यक्ष उमाशंकर जुमड़े द्वारा प्रदान की गई। तृतीय स्थान पर रहे राहुल राना (ग्राम पापनपाल) को 1500 रुपये नगद एवं ट्रॉफी सरपंच ग्राम पंचायत नैमेड ललिता ओयम द्वारा प्रदान की गई। चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले धनसिंह कोवासी (ग्राम केतनपाल) को 1000 रुपये नगद एवं ट्रॉफी विधायक प्रतिनिधि अखिलेश उप्पल द्वारा प्रदान की गई। इसके अलावा सांत्वना पुरस्कार के रूप में संतु राम कुड़ियाम, भीमा कुड़ियाम, मनीष कुड़ियाम, मांगू कुड़ियाम, परमेश पटेल सहित अन्य प्रतिभागियों को विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा 500-500 रुपये नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे ने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं।

राजभाषा आयोग के कार्यालय स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ी साहित्य का गौरवपूर्ण उत्सव

छत्तीसगढ़ी भाषा की सेवा में समर्पित वरिष्ठ साहित्यकारों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य के संरक्षण, संवर्धन तथा विकास को समर्पित राजभाषा आयोग के कार्यालय स्थापना दिवस 14 अगस्त के अवसर पर राजधानी रायपुर में गरिमामय साहित्यिक आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रदेशभर से साहित्यकार, कवि, रचनाकार, भाषा-सेवी एवं साहित्य प्रेमी शामिल हुए।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी भाषा की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वरिष्ठ साहित्यकारों एवं भाषा-सेवियों का सम्मान किया गया। साथ ही राजभाषा आयोग द्वारा प्रकाशित 26 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरन्दर मिश्रा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति मनोज दयाल, संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, संस्कृति एवं राजभाषा संचालक डॉ. संजय कन्नौजे, राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा तथा राजभाषा आयोग की सचिव डॉ. अभिलाषा बेहार सहित प्रदेश के वरिष्ठ साहित्यकार एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। राजकुमारी इंदिरा सिंह कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के अधिष्ठाता कला संकाय एवं विभागाध्यक्ष प्रो. राजन यादव ने जानकारीपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने भाषा, साहित्य और संस्कृति के परस्पर संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ी भाषा की साहित्यिक परंपरा, उसकी समृद्ध अभिव्यक्ति और वर्तमान समय में उसके संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह किसी समाज की पहचान, इतिहास, संस्कृति, संवेदनाओं और सामूहिक स्मृतियों को अपने भीतर संजोए रखती है।

'छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए समर्पित भाषा-सेवियों का सम्मान'

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रचार-प्रसार, साहित्य सृजन और जनमानस तक भाषा की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान साहित्यकारों एवं भाषा-सेवियों के योगदान को स्मरण करते हुए उनके द्वारा छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए किए गए कार्यों की सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी भाषा की वास्तविक शक्ति उसके साहित्य, लोक परंपराओं और उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने वाले लोगों से निर्मित होती है। छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास में साहित्यकारों, कवियों, पत्रकारों, कलाकारों और भाषा-सेवियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

'राजभाषा आयोग की 26 पुस्तकों का विमोचन'

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण राजभाषा आयोग द्वारा प्रकाशित 26 पुस्तकों का विमोचन रहा। इन पुस्तकों के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य को समृद्ध करने के साथ-साथ प्रदेश की लोकभाषा, लोकसंस्कृति और साहित्यिक परंपरा को दस्तावेज के रूप में संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। वक्ताओं ने कहा कि पुस्तकों का प्रकाशन केवल साहित्य के सृजन और संरक्षण का कार्य नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को अपनी भाषा और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का माध्यम भी है। विविध पक्षों को सामने लाने और प्रदेश के रचनाकारों को व्यापक मंच प्रदान करने में मदद मिलेगी।

जीपीएफ प्रकरणों के निराकरण हेतु 19 से 21 अगस्त तक विशेष शिविर का होगा आयोजन

अम्बिकापुर। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने बताया कि सामान्य भविष्य निधि (जी.पी.एफ) अभिदाताओं के गुमशुदा कटौत्रे, ऋणात्मक शेष, **full want/part want/missing credit** प्रकरणों के निराकरण हेतु महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) छ.ग. रायपुर द्वारा 19,20 एवं 21 अगस्त-2026 को शासकीय पॉलिटेक्निक, अम्बिकापुर के सभागार (**Meeting Hall**) में कार्यालयीन समय में शिविर का आयोजन किया गया है।

उन्होंने समस्त संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को शिविर में कार्यालयीन समय (10.00 से 5.30 बजे तक) उपस्थित होकर जीपीएफ प्रकरणों का निराकरण कराने कहा है।

खास खबर

रायपुर में असिस्टेंट बैंक मैनेजर ने की ठगी

रायपुर। राजधानी रायपुर में देवेंद्र नगर स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में एक कर्मचारी पर ग्राहक की फिक्स्ड डिपॉजिट तुड़वाकर करीब 14.97 लाख रुपए की हेराफेरी करने का आरोप है। पुलिस ने बैंक के उप प्रबंधक समेत दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ग्राहक की पहचान सुषमा कुमार के रूप में बताई गई है। गंज थाना पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महिला सुषमा कुमार का खाता एक्सिस बैंक की देवेंद्र नगर शाखा में है। आरोप है कि बैंक के उप प्रबंधक कुलदीप सिंह ने 17 जुलाई को फर्जी कस्टमर रिक्वेस्ट फॉर्म के जरिए महिला के खाते में दर्ज मोबाइल नंबर बदल दिया। इस पूरे मामले का खुलासा 7 अगस्त को हुआ, जब पीड़ित महिला बैंक पहुंचीं। खाते की जानकारी लेने पर उन्हें गड़बड़ी का पता चला। इसके बाद उन्होंने बैंक प्रबंधन से शिकायत की। बैंक की आंतरिक जांच में फर्जीवाड़े की पुष्टि होने के बाद शाखा प्रबंधक ने गंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बैंक के उप प्रबंधक कुलदीप सिंह और इंडियन सेल्स के संचालक योगेश येडे के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

स्वागत विहार में महिला की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के स्वागत विहार कॉलोनी के पास 23 जुलाई को पानी से भरी जमीन में मिले 35 वर्षीय महिला के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझाने का दावा किया है। मामले में पुलिस ने डीके साहू नाम के एक संदेही को हिरासत में लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी ने महिला के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। विरोध करने पर उसने गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव के साथ दुष्कर्म करने और उसे पानी में फेंककर फरार होने का आरोप है। आरोपी की मानसिक स्थिति का आकलन किया जा रहा है। शुरुआती जांच में वह सेक्सुअल साइकोपैथ प्रवृत्ति का पाया गया है। मृतक महिला बोरियाकला की रहने वाली थी। वह आसपास की एक सोसायटी में खाना बनाने का काम करती थी। 23 जुलाई की सुबह वह काम के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे भी नहीं थे। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले के अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

जंगल में नर हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत, मौके पर ही तोड़ा दम

रामानुजगंज। ग्राम शिवपुर निवासी शिवप्रसाद सिंह के पिता इन्द्रनाथ सिंह की रविवार सुबह नर हाथी के हमले में मौत हो गई। घटना सुबह करीब 5:30 बजे शिवपुर जंगल क्षेत्र की बताई जा रही है। बताया गया कि इन्द्रनाथ सिंह भैंस चराने के लिए जंगल की ओर गए थे, इसी दौरान झारखंड की ओर से आए एक नर हाथी ने उन पर हमला कर दिया। हाथी द्वारा कुचल दिए जाने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। रेंजर दिलरुबा बानो ने बताया कि झारखंड की ओर से एक नर हाथी शिवपुरी जंगल क्षेत्र में पहुंचा था। इसी दौरान भैंस चराने गए ग्रामीण पर हाथी ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वन विभाग द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए रामानुजगंज के 100 बिस्तर अस्पताल लाया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में वन विभाग की टीम द्वारा हाथी की मौजूदगी और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर निगरानी बढ़ा दी गई है। रेंजर दिलरुबा बानो ने बताया कि वन विभाग लगातार सुबह-शाम प्रचार-प्रसार के माध्यम से ग्रामीणों को जंगल की ओर नहीं जाने तथा हाथियों से दूरी बनाए रखने की हिदायत दे रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों की मौजूदगी वाले क्षेत्रों में जाने से बचें और वन विभाग द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

स्टंटबाजी और रश ड्राइविंग रोकने पुलिस ने चलाया अभियान, एक दिन में 389 चालान, 9 एफआईआर व 9 वाहन जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। लोगों की जान की सुरक्षा एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से दुर्ग जिले में रश ड्राइविंग के विरुद्ध यातायात पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 15 अगस्त को भिलाई भट्ठी, भिलाई नगर, सुपेला सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जांच कर तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने तथा खतरनाक ड्राइविंग करने वालों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान तीन सवारी के 225, बिना हेलमेट के 74, नो-पार्किंग के 18 एवं ब्लैक फिल्म के 05 मामलों सहित कुल 389 चालान किए गए। गंभीर यातायात नियम उल्लंघन के मामलों में 09 एफआईआर दर्ज कर 09 वाहन जब्त किए गए तथा मोबाइल पर बात करने एवं बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों पर भी कार्रवाई की गई। दुर्ग पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा आम नागरिकों की जान की सुरक्षा के लिए पूरे जिले में लगातार यातायात जागरूकता एवं enforcement अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में रश ड्राइविंग को विशेष रूप से फोकस किया गया है, क्योंकि तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने से चालक के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों, राहगीरों एवं यात्रियों की जान को भी गंभीर खतरा हो सकता है। दुर्ग पुलिस द्वारा यह अभियान लगातार जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य केवल चालान करना नहीं बल्कि रश ड्राइविंग, स्टंटबाजी एवं अन्य खतरनाक यातायात व्यवहार से होने वाली दुर्घटनाओं को रोककर लोगों की जान बचाना है। भिलाई भट्ठी, भिलाई नगर, सुपेला सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर यातायात व्यवस्था को सुरक्षित रखने तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कार्रवाई की गई।

नशीली गोलियों के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई, नाबालिग सहित 6 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र के ग्राम डुण्डेरा में पुलिस ने नशीली टेबलेट की बिक्री कर रहे 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा कुल 71 पत्तों में 1065 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम तथा बिक्री से संबंधित 3,500 नगद राशि जब्त की गई। जब्त टेबलेट का ड्रग इंस्पेक्टर से परीक्षण कराया गया, जिसमें टेबलेट प्रतिबंधित नशीली दवा होना प्रमाणित होने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। आरोपियों के कब्जे से 1065 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट एवं 3500 नगद जब्त किया गया।

एक दिन पहले उतई पुलिस को विश्वसनीय सूत्र से सूचना प्राप्त हुई कि गायत्री नगर, ग्राम डुण्डेरा में केवेन्द्र पटेल अपने अन्य साथियों के साथ अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से नशीली टेबलेट रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना की तस्दीक एवं वैधानिक कार्रवाई हेतु थाना उतई एवं एसीसीयू की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर संदेहियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ एवं तलाशी के दौरान केवेन्द्र पटेल उर्फ छोटा एवं एक अपचारी बालक के कब्जे से नशीली टेबलेट बरामद हुई। नशीली टेबलेट के संबंध में पूछताछ करने पर उनके द्वारा उक्त टेबलेट मरोदा निवासी इब्राहिम अली खान, घनश्याम गुप्ता, देवेन्द्र निर्मलकर एवं जीतू नायक से खरीदकर बिक्री के लिए लाना बताया गया। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा संबंधित आरोपियों की तलाश कर उन्हें हिरासत में लिया गया।

पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से कुल 71 पत्तों में 1065 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम तथा 3500 नगद जब्त किया गया। जप्त टेबलेट का ड्रग इंस्पेक्टर से परीक्षण कराया गया, जिसमें उक्त टेबलेट प्रतिबंधित नशीली दवा होना लेख किया गया। प्रकरण में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। अल्प्राजोलम एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मनोप्रभावी पदार्थ है और इसकी मात्रा के अनुसार धारा 22 के दंडात्मक प्रावधान लागू होते हैं।

प्रकरण में केवेन्द्र पटेल उर्फ छोटा, जीतू नायक उर्फ पोटरा, इब्राहिम अली खान, देवेन्द्र निर्मलकर एवं घनश्याम गुप्ता को गिरफ्तार किया गया तथा अपचारी बालक को विधि अनुसार अभिरक्षा में लिया गया। सभी के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों द्वारा नशीली टेबलेट को अवैध रूप से प्राप्त कर आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से अपने कब्जे में रखा जाता था तथा आपस में आपूर्ति एवं बिक्री के माध्यम से नशीली दवाओं का अवैध कारोबार किया जा रहा था। पुलिस द्वारा सूचना तंत्र के माध्यम से नेटवर्क की जानकारी प्राप्त कर संबंधित व्यक्तियों तक कार्रवाई को आगे बढ़ाया गया।

उक्त कार्रवाई में थाना उतई पुलिस एवं एसीसीयू स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। संयुक्त पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना की तस्दीक, आरोपियों की घेराबंदी, पूछताछ एवं नशीली टेबलेट के स्रोत तक पहुंचकर संबंधित आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि नशीली दवाओं अथवा अन्य मादक पदार्थों की बिक्री, तस्करी या अवैध कारोबार से संबंधित कोई भी जानकारी तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार लगातार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कोरबा के बांगो डैम में युवक लापता 48 घंटे बाद भी तलाश जारी

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा के मिनीमाता हसदेव बांगो बांध में 48 घंटे पहले छलांग लगाने वाले रंजीत यादव (24) का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। जिला नगर सेना की रेस्क्यू टीम सोमवार सुबह से फिर से सर्च ऑपरेशन चला रही है। प्रशासन ने खोजबीन तेज करने के लिए एनडीआरएफकी टीम को भी बुलाया है।

जानकारी के अनुसार, पाली थाना क्षेत्र के चैतमा गोपालपुर निवासी रंजीत यादव अपने दोस्तों के साथ बांगो डैम घूमने आया था। बताया जा रहा है कि दोस्तों के बीच बांध में छलांग लगाकर आगे निकलने की शर्त लगी थी। इसी दौरान रंजीत ने बांध में छलांग लगा दी। छलांग लगाने के बाद उसका तैरता हुआ लाइव वीडियो भी सामने आया था, लेकिन उसके बाद से वह लापता है। घटना के बाद से जिला नगर सेना, गोताखोर और स्थानीय प्रशासन लगातार रेस्क्यू अभियान चला रहे हैं। आधुनिक बोट के जरिए पूरे बांध क्षेत्र में सर्चिंग की जा रही है। युवक की तलाश तेज करने के लिए प्रशासन ने बांगो बांध का गेट नंबर 2 भी खोल दिया है। इधर, बांध में पानी की तेज आवक को देखते हुए अब तक कुल 9 गेट खोले जा चुके हैं।

सभी गेट मिलाकर 6 मीटर तक खोले गए हैं। जल संसाधन विभाग के अनुसार, बांध से टरबाइन मिलाकर कुल 41,080 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। इनमें गेटों से 32,080 क्यूसेक और जल विद्युत संयंत्र से 9,000 क्यूसेक पानी शामिल है। बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण हसदेव नदी उफान पर है। कोरिया और सूरजपुर में हुई भारी बारिश के कारण बांध का जलस्तर 94% तक पहुंच गया है। प्रशासन ने नदी के तटीय गांवों में अलर्ट जारी कर मुनादी कराई है।

दो बाइकों की भिड़ंत में 3 घायल: दो की हालत गंभीर, दोनों बाइक जब्त

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा के कटघोरा थाना क्षेत्र में रविवार रात जेजरा चौक के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सड़क किनारे पड़ा देख बांगो से लौट रही जिला नगर सेना की टीम ने 112 की मदद से अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार, यह घटना रात के समय हुई जब दो बाइकें तेज रफ्तार में विपरीत दिशा से आ रही थीं। जेजरा चौक के पास दोनों में सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सवार सड़क पर गिर पड़े। आसपास कोई नहीं होने के कारण घायल काफी देर तक सड़क किनारे पड़े रहे।

इसी दौरान, बांगो डैम में रेस्क्यू ऑपरेशन से लौट रही जिला नगर सेना की टीम की नजर घायलों पर पड़ी। टीम ने तत्काल स्थिति को समझते हुए 112 पर कॉल कर एंबुलेंस बुलाई। नगर सेना के जवानों ने घायलों को प्राथमिक उपचार दिया और तुरंत कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने बताया कि हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। इनमें से दो युवकों की हालत गंभीर है, जिन्हें विशेष उपचार के लिए रेफर किया गया है। तीसरे युवक को भी चोटें

आई हैं, लेकिन उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नगर सेना की टीम समय पर नहीं पहुंचती और 112 की मदद नहीं मिलती तो घायलों की जान को खतरा हो सकता था। रात का समय और सुनसान इलाका होने के कारण हादसे की सूचना मिलने में देरी हुई।

पुलिस ने दोनों बाइकों को जब्त कर लिया है। घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि हादसे के स्पष्ट कारण का पता चल सके।

हादसे के बाद घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है, जो अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल ले रहे हैं। पुलिस ने लोगों से रात में तेज रफ्तार से वाहन न चलाने और हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की है।

गर्लफ्रेंड को रोकने के लिए कार के बोनट पर चढ़े बॉयफ्रेंड की गिरने से मौत, आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में गर्लफ्रेंड को रोकने के लिए कार के बोनट पर चढ़े बॉयफ्रेंड की गिरने से मौत हो गई। विवाद के दौरान गर्लफ्रेंड के दोस्त ने कार आगे बढ़ा दी। बताया जा रहा है कि कार करीब 200 मीटर तक चलती रही, इसके बाद युवक नीचे गिर गया।

सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी जान चली गई। मृतक की पहचान टाटीबंध स्थित उदया सोसायटी निवासी कारोबारी परमप्रीत सिंह के रूप में हुई है। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

घटना के तीन दिन बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है।

शुक्रवार दोपहर महोबा बाजार निवासी ठेकेदार परमप्रीत सिंह का अपनी मंगेतर से एम्स के पास गाड़ी में विवाद हो गया। एसीपी देवांश सिंह राठौर के मुताबिक, 3-4 साल से संपर्क में रहे इस जोड़े की शादी दोनों परिवारों ने तय कर दी थी।

युवती अपनी मां को लेने राजिम जाने वाली थी और परमप्रीत उसे खुद ले जाना चाहता था, लेकिन वह अपने दोस्त भरत मंगनानी के साथ दुर्ग से रायपुर पहुंच गई। एम्स के पास मंगेतर को उसके दोस्त के साथ देखते ही परमप्रीत का बहस शुरू हो गया और उसकी गाड़ी में ही दोनों के बीच विवाद बढ़ गया।

इसके बाद युवती भरत मंगनानी के साथ जाने लगी। इससे नाराज परमप्रीत ने दोनों से विवाद किया और भरत की कार में टक्कर मार दी। कार रुकने पर परमप्रीत उसके बोनट पर चढ़ गया और युवती से नीचे उतरने के लिए कहा।

इसके बाद भरत ने कार आगे बढ़ा दी। बताया जा रहा है कि कार करीब 200 मीटर तक चलती रही, जिसके बाद परमप्रीत सड़क पर गिर गया।

जांच के बाद डॉक्टरों किया मृत घोषित

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल परमप्रीत को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया।

फिलहाल कार चला रहे भरत मंगनानी की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रेपिडो चालक महिला का बैग लेकर फरार, घर के बाहर वारदात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में रेपिडो चालक के महिला का बैग लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। बैग में दो मोबाइल फोन रखे थे, जिनकी कुल कीमत करीब 35 हजार रुपए बताई जा रही है।

घटना पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र की है। पीड़िता सत्य सरोज की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात रेपिडो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस चालक की पहचान और तलाश में जुटी हुई है।

पुरानी बस्ती पुलिस के मुताबिक, भीमनगर स्थित श्रीजन विला में रहने वाली महिला ने बताया कि वह रविवार शाम करीब 4:15 बजे सिंचाई कॉलोनी, सिविल लाइन से रेपिडो के जरिए बाइक बुक कर अपने घर लौट रही थीं।

कुछ देर बाद एक नीले रंग की स्कूटी पर चालक पहुंचा, जिसने नीले रंग का रेनकोट पहन रखा था। महिला

पहले शास्त्री चौक और फिर आमापारा चौक पहुंचीं। यहां उन्होंने फल खरीदे और उन्हें एक बैग में रख लिया।

बैग भारी होने के कारण उन्होंने उसे रेपिडो चालक के पैरों के पास रख दिया। इसी बैग में उनके दो मोबाइल फोन भी थे। इसके बाद दोनों वंदना ऑटो होते हुए भीमनगर पहुंचे।

महिला जैसे ही स्कूटी से उतरकर अपना सामान निकालने लगीं, चालक बिना किराया लिए ही तेज रफ्तार से वहां से निकल गया। महिला ने उसे आवाज लगाकर रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं रुका।

रास्ते में जाम लगने के कारण आरोपी कुछ देर के लिए वापस दिखाई दिया, लेकिन महिला को देखकर वह दूसरी गली की ओर भाग गया। महिला ने किसी अन्य व्यक्ति के मोबाइल से अपने बेटे को घटना की जानकारी दी।

पीड़िता के अनुसार, बैग में ओप्पो रेनो 16सी मॉडल का मोबाइल था, जिसकी कीमत 30 हजार रुपए है। इसके अलावा रेडमी 13सी था, जिसकी कीमत 10 हजार रुपए है। पुलिस ने अज्ञात रेपिडो चालक के खिलाफमामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

रायगढ़ में हाथियों ने मकान और फसल को पहुंचाया नुकसान

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथियों की संख्या एक बार फिर बढ़ गई है। जिले के दोनों वन मंडलों में कुल 164 हाथी मौजूद हैं। घरघोड़ा रेंज के कया-बटुराकछार जंगल में 53 हाथियों का दल पहुंचा है। रात में यह दल जंगल से निकलकर बस्ती तक आ गया। हाथियों के आने की सूचना मिलते ही ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल गए। इस दौरान हाथियों ने दो लोगों के कच्चे मकानों की दीवारें सूंड से गिरा दीं। हालांकि, घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

हाथियों ने घर में रखी चावल की बोरियां भी खा लीं। इसके अलावा खेतों में घुसकर धान की फसल को भी नुकसान पहुंचाया। धरमजयगढ़ वन मंडल के मेढ़रमार में हाथियों ने गगन मंडल, संजय अग्रवाल और विनोद जेठवानी की धान की फसल को नुकसान पहुंचाया। कापू रेंज के पंडरापाठ, परसापारा, सांगुल और तालगांव में किसान ननकु वर्मा, रामेश्वर वर्मा, अकबर वर्मा, भीमू पैंकरा, गुणसागर, हेमसागर, मधु यादव, परसु सिदार और कोरनो यादव की धान की फसल को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया। हाथियों के दल में छोटे शावक भी शामिल हैं। बड़ी संख्या में हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए ड्रोन, हाथी मित्र दल और वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म कर शादी का झांसा देने वाला आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। कबीरधाम जिला के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक प्रमिला मंडावी के दिशा-निर्देशन में महिला थाना पुलिस टीम द्वारा नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर लगातार शारीरिक शोषण करने के मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी करन ध्रूवे पिता लखन ध्रूवे, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम कटंगी कला को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

खास खबर

उल्लास महा चौपाल में गूंजा साक्षरता का संदेश

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं ग्रामों में उल्लास महा चौपाल का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी ने बताया कि उल्लास का मूल मंत्र 'जन-जन साक्षर और कर्तव्य बोध' है। कार्यक्रम का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे वयस्कों को सशक्त बनाना है, जो किसी कारणवश स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके हैं। साक्षरता के साथ उन्हें जीवनोपयोगी ज्ञान, डिजिटल साक्षरता और अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। 14 अगस्त को ग्राम प्रभारी एवं शिक्षकों के नेतृत्व में समुदाय के युवक-युवतियों, महिलाओं, पुरुषों एवं बुजुर्गों की सहभागिता से उल्लास साक्षरता रैली, मोबाइल टॉर्च रैली एवं उल्लास मशाल रैली निकाली गई। 15 अगस्त को ध्वजारोहण के पश्चात प्रभात फेरी एवं साक्षरता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

संविदा अभ्यर्थियों का दस्तावेज परीक्षण एवं सत्यापन 20 को

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत जिले में स्वीकृत रिक्त संविदा पदों पर भर्ती के लिए प्राप्त आवेदनों के दावा-आपत्ति निराकरण के पश्चात चयन समिति की अनुशंसा के अनुरूप पात्र अभ्यर्थियों का दस्तावेज परीक्षण एवं सत्यापन किया जाएगा। पात्र अभ्यर्थियों को 20 अगस्त को प्रात: 10:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला पंचायत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही स्थित नर्मदा सभाकक्ष में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। दावा-आपत्ति निराकरण के पश्चात सूची 'बिहान' की वेबसाइट तथा जिले की वेबसाइट www.gaurela-pendra-marwahi.cg.gov.in पर अपलोड कर दी गई है।

'विष्णुभोग राखी' ने बढ़ाया गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले का मान, गुजरात और लुधियाने से मिले आर्डर

श्रीकंचनपथ समाचार

जीपीएम। विकासखंड पेंड्रा की महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा स्थानीय विष्णुभोग धान से तैयार की गई आकर्षक राखियों ने दिल्ली में आयोजित प्रदर्शनी में देशभर से पहुंचे व्यापारियों का ध्यान आकर्षित किया। प्रदर्शनी के बाद अब गुजरात और लुधियाना से इन राखियों के ऑर्डर प्राप्त हुए हैं, जिससे जिले की महिला उद्यमियों में उत्साह का माहौल है।

दिल्ली में 6 से 8 अगस्त तक आयोजित बायोफेच इंडिया ईंटो ऑर्गेनिक प्रदर्शनी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

इस राष्ट्रीय मंच पर जिले के विष्णुभोग धान, शहद तथा विष्णुभोग धान से निर्मित राखियों को प्रदर्शित किया गया। इनमें विष्णुभोग धान से तैयार राखियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं। स्थानीय कृषि उत्पाद को रचनात्मकता के साथ उपयोग में लाकर तैयार की गई इन राखियों ने अपनी विशिष्टता के कारण प्रदर्शनी में पहुंचे

व्यापारियों और आगंतुकों का ध्यान खींचा।

विष्णुभोग धान जीपीएम की विशिष्ट पहचान रखने वाले स्थानीय उत्पादों में शामिल है। महिला स्व-सहायता समूहों ने इसी स्थानीय उत्पाद को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ते हुए राखी निर्माण में इसका रचनात्मक उपयोग किया।

बिहान समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों में जिले के उत्पादों को प्रदर्शित कर उन्हें संभावित खरीदारों और व्यापारियों से जोड़ने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

राज्यों से प्राप्त ऑर्डर से राखी निर्माण में जुटी महिला स्व-सहायता समूहों में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ा है। इससे ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार का अवसर मिलने के साथ अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुंचाने का मंच भी मिल रहा है।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि मनाई

अटलजी के संकल्प और दूरदर्शी नेतृत्व ने दी छत्तीसगढ़ को नई पहचान, अंत्योदय की राह पर पढ़ा राज्य : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 15 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास परिसर में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अटल जी के विराट व्यक्तित्व, राष्ट्रसेवा और छत्तीसगढ़ निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंहदेव भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी छत्तीसगढ़ के निर्माता और प्रदेशवासियों की भावनाओं को सम्मान देने वाले महान राष्ट्रनायक थे। छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण उनके दूरदर्शी नेतृत्व, दृढ़ संकल्प और संवेदनशील सोच का परिणाम है। उन्होंने इस अंचल की भौगोलिक विशिष्टताओं, विकास की आवश्यकताओं और पृथक राज्य की वर्षों पुरानी जनआकांक्षा को समझा तथा प्रधानमंत्री के रूप में उसे साकार किया। छत्तीसगढ़ को पृथक राज्य के रूप में पहचान दिलाने वाला उनका यह ऐतिहासिक निर्णय प्रदेश के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अटल जी का छत्तीसगढ़ से रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि गहरा आत्मीय और भावनात्मक था। छत्तीसगढ़ और यहां के लोगों के प्रति उनके मन में विशेष स्नेह था। श्री साय ने अटल जी के साथ अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि उन्हें स्वयं भी श्रद्धेय अटल जी का स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। उनके साथ जुड़ी अनेक आत्मीय स्मृतियां आज भी मन में जीवंत हैं। अटल जी का स्नेह और उनका मार्गदर्शन उनके जीवन की अमूल्य स्मृतियों में है, जो उन्हें जनसेवा के पथ पर निरंतर प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। संवेदनशील कवि, प्रखर पत्रकार, ओजस्वी वक्ता और दूरदर्शी राजनेता के रूप में उन्होंने भारतीय जनमानस पर अमिट छाप छोड़ी। वे ऐसे सर्वस्वीकार्य राजनेता थे, जिन्हें दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर सभी वर्गों का सम्मान और स्नेह प्राप्त हुआ। वैचारिक दृढ़ता के साथ विनम्रता, संवेदनशीलता और संवाद उनके सार्वजनिक जीवन की विशेषता थी। राष्ट्रहित उनके लिए सदैव सर्वोपरि रहा और मां भारती की सेवा उनके जीवन का सर्वोच्च ध्येय थी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अटल जी ने सुशासन और अंत्योदय को शासन का आधार बनाकर विकास की ऐसी विरासत स्थापित की, जो आज भी देश को दिशा दे रही है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांवों को सड़कों से जोड़ने की ऐतिहासिक पहल ने ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति दी। किसानों के कल्याण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए उनके द्वारा उठाए गए कदमों का दूरगामी प्रभाव पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता देते हुए अटल जी के कार्यकाल में पृथक जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया गया। यह निर्णय जनजातीय समुदायों के विकास, अधिकारों और आकांक्षाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता का परिचायक था। उन्होंने विकास की मुख्यधारा को गांव, गरीब, किसान, जनजातीय समाज और वंचित वर्गों तक पहुंचाने के लिए अनेक दूरदर्शी पहल कीं।

'अटल जी के सुशासन और अंत्योदय के मार्ग पर आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़'

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अटल जी ने जिस छत्तीसगढ़ की आधारशिला रखी, उसे समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर बनाना हम सभी का दायित्व है। उनकी सरकार अटल जी के सुशासन, अंत्योदय और जनकल्याण के मूल्यों को आत्मसात करते हुए प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का प्रत्येक प्रयास गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्रित है।

राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया ध्वजारोहण

राजनांदगांव। जिले में स्वतंत्रता दिवस का पर्व अभूतपूर्व उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शौर्य परेड मैदान, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और उल्लास के प्रतीक गुब्बारे आसमान में छोड़े। समारोह में राष्ट्रगीत श्वंदेमातरम्श् और राष्ट्रगान 'जन गण मन' के गायन के पश्चात कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संदेश का वाचन किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ-साथ शहीद जवानों के परिजनों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। रक्षित निरीक्षक लोकेश कुमार कंवर के नेतृत्व में 15 प्लाटूनों ने तिरंगे को सलामी दी। परेड प्रतियोगिता के आर्म्स प्लाटून वर्ग में 38वीं बटालियन आईटीबीपी ने प्रथम और जिला पुलिस बल (पुरुष) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं अन-आर्म्स सीनियर बालक वर्ग में एनसीसी दिग्विजय महाविद्यालय ने बाजी मारी। जूनियर बालिका वर्ग में एनसीसी बालिका दिग्विजय महाविद्यालय प्रथम तथा एनसीसी बालिका कमला कॉलेज द्वितीय स्थान पर रहे।

महिला बाल विकास मंत्री ने सैनिक भाइयों के लिए भेजे रक्षा सूत्र, सरगुजा से जवानों तक पहुंचेगा बहनों का स्नेह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात सैनिक भाइयों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से संचालित 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4' अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा की महिलाओं एवं स्काउट-गाइड द्वारा एकत्रित रक्षा सूत्र सैनिकों के लिए रवाना किए।

अंबिकापुर के सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने स्वयं रक्षा सूत्र भेजकर सैनिकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि यह लगातार चौथा वर्ष है, जब छत्तीसगढ़ की बहनों की ओर से देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के लिए रक्षा सूत्र भेजे जा रहे हैं। यह अभियान प्रदेश की महिलाओं के सैनिक भाइयों के प्रति स्नेह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर जब पूरा देश अपने परिवार के साथ खुशियां

मनाता है, तब हमारे सैनिक भाई अपने परिवार से दूर रहकर देश की सीमाओं की सुरक्षा में डटे रहते हैं। उनके त्याग और समर्पण को नमन करते हुए बहनों की ओर से भेजा गया यह रक्षा सूत्र प्रेम, सम्मान और आशीर्वाद का संदेश लेकर जवानों तक पहुंचेगा।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि रक्षा सूत्र केवल एक धागा नहीं, बल्कि सैनिकों और देशवासियों के बीच भावनात्मक संबंध का प्रतीक है। इसके माध्यम से छत्तीसगढ़ की माताएं और बहनें देश के वीर जवानों को यह संदेश दे रही हैं कि पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं से दूर रहने वाले सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इस प्रकार के अभियान समाज में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करते हैं। छत्तीसगढ़ की महिलाओं द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए रक्षा सूत्र जब सैनिक भाइयों की कलाइयों पर बंधेंगे, तो उनमें प्रदेश की बहनों के स्नेह और आशीर्वाद की अनुभूति होगी।

अभियान के संयोजक एवं पूर्व सैनिक महासभा के अध्यक्ष श्री महेंद्र प्रताप सिंह राणा ने बताया कि 'सिपाही रक्षा सूत्र' अभियान की शुरुआत बिलासपुर से हुई थी। वर्ष 2023 में लगभग 6 लाख 71 हजार, वर्ष 2024 में लगभग 9 लाख और वर्ष 2025 में 12 लाख 21 हजार रक्षा सूत्र सैनिकों तक भेजे गए। इस तरह पिछले तीन वर्षों में छत्तीसगढ़ से लगभग 27 लाख 92 हजार रक्षा सूत्र सैनिकों के सम्मान में भेजे जा चुके हैं।

वर्ष 2026 में अभियान का चौथा चरण 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा सूत्र 0.4' के रूप में संचालित किया जा रहा है। इस वर्ष लगभग 21 लाख रक्षा सूत्र एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के माध्यम से थल सेना, जल सेना और वायु सेना के जवानों तक भी छत्तीसगढ़ की बहनों का रक्षा सूत्र पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

बस्तर में बदली बयार : 112 आत्मसर्पित युवाओं ने भी तिरंगा थामकर दिया संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। कभी हिंसा के रास्ते पर चले 112 आत्मसमर्पित युवाओं ने इस स्वतंत्रता दिवस पर हाथों में तिरंगा थामकर शांति, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। सुकमा के पुनर्वास केंद्र में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में इन युवाओं ने देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कभी जिन हाथों में हथियार थे, उन्हीं हाथों में आज तिरंगा था। यह बदलाव केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि सुकमा में शांति और पुनर्वास की दिशा में हो रहे सकारात्मक प्रयासों की कहानी है। आत्मसमर्पण के बाद शासन की पुनर्वास नीति के माध्यम से इन युवाओं को समाज की मुख्यधारा में लौटने और सम्मानजनक जीवन शुरू करने का अवसर मिल रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर पुनर्वास केंद्र पहुंचे। उन्होंने पुनर्वासित महिला अमीला पदामी को ध्वजारोहण के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रगान के दौरान सभी पुनर्वासित युवाओं ने तिरंगे को सलाम कर देश के प्रति अपनी आस्था और सम्मान व्यक्त किया।

एसपी श्री मयंक गुर्जर की इस संवेदनशील पहल ने पुनर्वासित युवाओं में आत्मविश्वास और अपनत्व की भावना को मजबूत किया। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की।

आत्मसमर्पण के बाद इन युवाओं के जीवन में बदलाव की नई शुरुआत हुई है। पुनर्वास नीति उन्हें हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति, रोजगार और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। स्वतंत्रता दिवस का यह आयोजन सुकमा में बदलते वातावरण की प्रेरक तस्वीर बना। आत्मसमर्पित युवाओं का यह उत्साह बताता है कि विश्वास, अवसर और पुनर्वास के प्रयासों से उनका नजरिया बदला है।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को नई मजबूती

मुख्यमंत्री ने किया रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 15 अगस्त को राजधानी रायपुर के पचपेड़ी नाका स्थित रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल परिसर में अत्याधुनिक रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने नई कैंसर इकाई में उपलब्ध उपचार सुविधाओं एवं अत्याधुनिक मशीनरी का अवलोकन किया तथा अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सकों को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान श्री साय ने डॉ. संदीप दवे के भाई श्री प्रदीप दवे को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल पिछले 36 वर्षों से छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. संदीप दवे के भाई स्वर्गीय श्री प्रदीप दवे का कैंसर से निधन हुआ था। इस व्यक्तिगत पीड़ा ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ व्यापक स्तर पर काम करने का संकल्प मजबूत किया। आज उसी संकल्प का परिणाम रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान आने वाले समय में हजारों-लाखों लोगों को बेहतर कैंसर उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ा है। कैंसर मरीजों को अब एक ही परिसर में जांच, उपचार और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने डॉ. संदीप दवे और उनकी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की ऐसी पहल से प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को और गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्षों में

छत्तीसगढ़ ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में स्वास्थ्य संस्थानों के विस्तार को गति मिली और वर्तमान सरकार भी पिछले ढाई वर्षों से प्रदेश के कोने-कोने तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेशवासियों को उपचार के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े और उन्हें आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं अपने ही प्रदेश में उपलब्ध हों।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट के शुभारंभ को छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के पीछे सेवा और संवेदना की भावना जुड़ी हुई है। डॉ. दवे के भाई की कैंसर से मृत्यु ने उन्हें गहरा आघात दिया और संभवत: इसी पीड़ा ने कैंसर के उपचार के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने की प्रेरणा दी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि कैंसर केवल मरीज की नहीं, बल्कि पूरे परिवार की सामूहिक पीड़ा होती है। उन्होंने कैंसर की समय पर पहचान के लिए नियमित स्क्रीनिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शुरुआती चरण में कैंसर की पहचान होने पर उपचार की संभावनाएं काफी बेहतर हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में पहले से उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के साथ अब कैंसर उपचार की सुविधा जुड़ने से मरीजों को एक ही छत के नीचे व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि रामकृष्ण केयर कैंसर इंस्टीट्यूट के शुभारंभ से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण नई कड़ी जुड़ी है। इसका लाभ छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य हिस्सों के मरीजों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 10 हुई और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पिछले ढाई वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के बाद प्रदेश में अब 15 मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश में दो नए सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों पर काम हो रहा है। बस्तर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की सुविधा शुरू होने से गंभीर मरीजों को उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर रायपुर लाने की आवश्यकता में कमी आई है।

दृष्टिबाधितों को राज्यपाल डेका ने भेंट की स्मार्ट स्टिक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने लोकभवन में नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, रायपुर द्वारा संचालित प्रेरणा गुरुकुलम विद्या पीठम की नेत्रहीन छात्राओं को स्मार्ट स्टिक प्रदान किया। यह स्मार्ट स्टिक छात्राओं को आवागमन में सहायता करेगी।

इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी तथा राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना उपस्थित थे। राज्यपाल ने छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिव्यांगजनों को समान अवसर और आत्मनिर्भरता प्रदान करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से नेत्रहीन विद्यार्थियों के जीवन को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950